डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 187 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 23 अप्रेल 2025 | मूल्य 2 रुपया

मौत बनकर दौड़ रही ट्रैक्टर-ट्रॉलियां

धड़ल्ले से हो रहा व्यवसायिक उपयोग, लापरवाह बना परिवहन विभाग

मंदसौर, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। रतलाम में एक दिन पहले ट्रैक्टर ट्रॉली से हुए हादसे में युवक की मौत हो गई। मंदसौर की बात करें तो यहां भी अभी तक कई हादसे हो चुके हैं। इसके बाद भी बिना किसी रोक-टोक के ट्रैक्टर ट्रॉलियां मौत बनकर सड़को पर दौड़ रही है। कृषि कार्य के नाम पर पंजीकृत ट्रैक्टर-ट्रॉलियों का जिले में व्यावसायिक उपयोग धड़ल्ले से किया जा रहा है। जिससे शासन को लाखों रुपए के टैक्स की हानि तो हो ही रही है, वहीं दुर्घटना होने पर लोगों को क्लेम लेने में भी परेशानी आती है। लेकिन, परिवहन विभाग द्वारा इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

खेती-किसानी का काम करने वाले किसानों द्वारा ट्रैक्टर-ट्रॉली खरीदने पर शासन ने उन्हें कर मुक्त रखा है। अगर कोई व्यक्ति ट्रैक्टर-ट्रॉली खरीद कर उसका व्यावसायिक उपयोग कर रहा है तो उसे ट्रैक्टर-ट्रॉली का अलग-अलग पंजीयन कराना होता है। इसके लिए परिवहन विभाग में बतौर पंजीयन राशि जमा करवाना होती है। संबंधित व्यक्ति को प्रत्येक दो साल बाद पंजीयन का रिन्युअल कराना भी आवश्यक है। लेकिन, इन ट्रैक्टर-ट्रॉलियों का कृषि कार्य में कम, व्यावसायिक उपयोग ज्यादा हो रहा है। जिले में ऐसे कई ग्रामीण क्षेत्र हैं जहां यात्री बसें नहीं चलती हैं। जिसके चलते कुछ लोग अवैध रूप से ट्रैक्टर-ट्रालियों से सवारियां ढोने का काम कर रहे हैं। इसके अलावा कई ट्रैक्टर-ट्रॉली रेत, ईट-पत्थर, भूसा, तूरी, बिल्डिंग मटेरियल आदि ढोने का काम कर रहे हैं।

बगैर रिफ्लेक्टर दौड़ रही ट्रैक्टर ट्रॉलियां...

शहर में और हाईवे पर लंबे समय से सड़कों पर दौड रहे कई कृषि और व्यावसायिक ट्रैक्टर-ट्रॉली में रिफ्लेक्टर नहीं लगे हैं। ट्रॉलियों में बैक लाइट न होने से रात में पीछे चलने वाले लोगों के साथ हादसे की आशंका बनी रहती है। रात में ऐसे वाहनों से अधिक दिक्कत होती है। साथ ही सरिए से भरी ट्रॉलियों पर भी यातायात पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जाती है। जिससे इन वाहन चालकों के हौसले दिन प्रतिदिन बुलंद होते जा रहे हैं।

रात में सिंगल लाईट, बाइक समझ होती दुर्घटनाएं...

सबसे महत्वपूर्ण यह है कि पूरे मामले में जिला परिवहन विभाग के साथ यातायात पुलिस विभाग भी लापरवाह बना हुआ है। हाईवे पर यातायात पुलिस को ग्रामीण क्षेत्रों की बाइक रोककर चालानी कार्रवाई करते देखा जा सकता है। लेकिन, ट्रैक्टर-ट्रॉली को लेकर लापरवाही की जा रही है। ट्रैक्टर के आगे या पिछे की लाईटों को लेकर कई दुर्घटनाएं हो चुकी है। एक दिन पहले रतलाम में हुए हादसे में भी बाइक पिछे से ट्रैक्टर में जा घुसी। अधिकांश ट्रैक्टरों में आगे की तरफ सिर्फ एक सिंगल हेड लाईट ही चालू दिखाई देती है। जो एक बाइक की भांती प्रतित होती है। अभी तक कई हादसे इससे हो चुके हैं।

शादी-ब्याह में सवारी ढो रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली...

शादी ब्याह के सीजन में ट्रैक्टर ट्रॉलियों का उपयोग परिवहन के संसाधन के रूप में शुरु हो चुका है। अभी तक ट्रैक्टर ट्रॉली पलटने के कई मामले सामने आ चुके हैं। स्थिति यह है कि बारात ट्रॉली में सवार होकर ग्रामीण क्षेत्रों के अलावा जिला मुख्यालय के थानों के साथ ही परिवहन विभाग के सामने से भी गुजरती है। लेकिन, कोई कार्रवाई नहीं की जा रही।

रद्दी कागज के नीचे छिपाकर रखा था 12 क्विंटल डोडाचूरा

पुलिस ने कंटेनर पकड़ा, इंदौर ले जा रहे थे नशे की खेप, चालक सहित दो गिरफ्तार

रतलाम, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जिले की जावरा पुलिस ने हरियाणा पासिंग एक कंटेनर से 12 क्विंटल डोडाचूरा बरामद किया है। इस अवैध मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 36 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस ने मौके से कंटेनर चालक सहित दो लोगो को गिरफ्तार किया है। आरोपी यह डोडाचूरा इंदौर होते हुए हरियाणा ले जाने वाले थे।

पुलिस कप्तान अमित कुमार ने पकड़ी गई डोडाचुरा की खेप का मंगलवार दोपहर कंट्रोल रूम में खुलासा किया। पुलिस को लंबे समय से कंटेनर के जरिए नशे की तस्करी की सूचना मिल रही थी। इस बार जब मुखबीर से पुख्ता खबर मिली तो जावरा सर्किट हाउस के सामने खडे कंटेनर की तलाशी ली गई। जांच में पता चला कि कंटेनर में एक छिपा हुआ केबिन बना हुआ था, जिसमें 60 प्लास्टिक के बोरो में डोडाचूरा भर कर रखा गया था। किसी को शक न हो, इसके लिए कंटेनर में पेपर की रद्दी भर रखी थी। ड्राइवर-क्लीनर की सीट के पीछे बना यह केबिन काफी चालाकी से तैयार किया गया था।

पुलिस ने मौके से कंटेनर ड्रायवर सतविंदर सिह उर्फ गोपी पिता कंवरजी सिंह उम्र 34 साल निवासी ग्राम गोविंद नगर बलोकी तहसील नकोदरा जिला जालंधर पंजाब व सुखदेवसिंह पिता सुच्चा सिंह उम्र 27 साल निवासी ग्राम शैरो तहसील तरणतारण जिला तरणतारण पंजाब को गिरफ्तार किया। पुलिस कप्तान के अनुसार दोनों आरोपी डोडाचुरा उज्जैन होते हुए इंदौर जाने ले जाने वाले थे। वहां से कहीं अन्य प्रदेश के लिए तस्करी होने वाली थी। तस्करों को कोर्ट में पेश कर रिमांड मांगा जाएगा। ताकि इनसे पूछताछ की जा सके कि यह डोडाचुरा कहां से लेकर आए और किसे देने वाले थे। जावरा शहर थाना पुलिस ने उक्त दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण दर्ज कर मामला जांच में लिया है।

कार ने मारी कार को टक्कर

पिपलियामंडी, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। कार की टक्कर से कार क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने केस दर्ज किया। बेडा (राजस्थान) निवासी कपडा व्यापारी गोपालकृष्ण कुम्हार ने पिपलियसा थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि मैं बेटे करण के साथ कार (आरजे 22 सीसी 5589) से नीमच की ओर जा रहा था कि पिपलियामंडी में महू-नीमच मार्ग पर टेकरी बालाजी के यहां पीछे से आ रही कार एमपी 44 सीए 3421 के ड्राइवर ने तेज व लापरवाहीपूर्व कार चलाकर ओवरटेक करते हुए साइड से टक्कर मार दी, जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने केस दर्ज किया।

अफीम काश्तकारों के लिए अच्छी खबर...

अब खुद हार्वेस्ट कर सकेंगे अपनी फसल, जटिल नियम से मुक्ति

मंदसौर, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। देश के सबसे बड़े अफीम उत्पादक क्षेत्र मालवा में अफीम उत्पादक काश्तकारो को अब उपज हार्वेस्ट करने के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। जिन गांवों में चयनित किसानों के खेतों का निरीक्षण हो गया है, वहां किसान स्वयं अफीम के डोडे और पोस्ता दाना की हार्वेस्टिंग कर सकेंगे। इसमें अफीम उत्पादक और सीपीएस पद्धति वाले किसान भी शामिल किए गए है।

मालवा क्षेत्र के मंदसौर, नीमच और रतलाम समेत सभी अफीम उत्पादक क्षेत्र के किसान इस बात को लेकर लंबे समय से असमंजस में थे कि खेत में सूख चुकी फसल को कब हार्वेस्ट किया जाए। क्योंकि, नारकोटिक्स विभाग के चले आ रहे जटिल नियमों और संभावित निरीक्षण को लेकर एकरुपता नहीं है। यही कारण है कि किसानों को चीरा लगाए हुए डोडे और बिना चीरा लगाए हुए डोडे की फसल की सूखने के बाद भी खेत में रहकर निगरानी करना पड़ती है।

बड़े स्तर पर होती है अफीम की खेती...

देश के सबसे बड़े अफीम उत्पादक क्षेत्र मंदसौर, जावरा और नीमच में अफीम की परंपरागत खेती वर्षों से की जाती है। जिसके लिए केंद्र सरकार प्रति वर्ष अफीम नीति लागू कर

पट्टे देती है। नारकोटिक्स विभाग की देखरेख में किसान अफीम की खेती कर डोडे में चीरा लगाते हैं और अफीम की निर्धारित मात्रा विभाग के तौल केंद्र पर तौलते है। वर्ष 2020-21 में केंद्र सरकार के नारकोटिक्स विभाग ने सीपीएस प्रणाली पर 10 आरी के पट्टे जारी कर किसानों को केवल पोस्ता दाना उत्पादन लेने और डोडा डंठल सहित 200 रुपए प्रति किलोग्राम की दर पर खरीदना शुरू कर दिया।

घर ले जा सकते हैं फसल...

मंदसौर-नीमच-जावरा से सांसद सुधीर गुप्ता का कहना है कि किसान अपनी सूख चुकी फसल को हार्वेस्ट कर सकते हैं। श्री गुप्ता के अनुसार, गांव में चयनित किसानों के यहां विभाग का सर्वे किया जाता है। जिन गांवों में चयनित किसानों के यहां निरीक्षण हो चुका है, वहां के किसान अपनी फसल को नारकोटिक्स विभाग के नियमानुसार हार्वेस्ट कर सकते हैं और अपने घर ले जा सकते हैं। बाद में नारकोटिक्स विभाग के निर्देश पर अपनी फसल को वह बेचने के लिए ले जा सकेंगे।

अफीम खेती के लिए दिए जाते हैं पट्टे...

नारकोटिक्स विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी संजय मीणा के अनुसार इस साल नीमच, मंदसौर और रतलाम जिले में कुल 54 हजार 751 पट्टे किसानों को दिए गए हैं, जिसमें नियमित यानी चीरा लगाने वाले पट्टाधारकों की संख्या 25 हजार 270 और सीपीएस पद्धति यानी चीरा नहीं लगाने वाले किसानों की संख्या 29 हजार 481 पट्टे दिए गए हैं।

गरमी के साथ बढ़ रहा डायरिया का प्रकोप

मंदसौर, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। शहर व अंचल के साथ ही प्रदेश में पड़ रही भीषण गरमी के बीच बीमारियों का प्रकोप भी बढने लगा है। मंदसौर अंचल में मौसम बदलाव के साथ ही लोग बीमारियों की गिरफ्त में आने लगे हैं। गरमी, दूषित खानपान, पेय पदार्थों, पानी के असर से उल्टी-दस्त, डायरिया के बीमार अस्पताल पहुंचने शुरू हो गए हैं। गरमी में तेजी आने के साथ ही सरकारी और निजी अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। डॉक्टरों ने बदलते मौसम में खानपान से लेकर तेज धूप और गरमी में एहतियात बरतने की सलाह दी है।

तापमान में बढ़ोतरी, दूषित पानी की शिकायतों, गर्मी से खराब भोजन, अन्य खाद्य सामग्री का उपयोग, धूप में बिना बचाव के निकलना, भरपूर पानी नहीं पीना, मच्छरों के प्रकोप के चलते मरीजों की संख्या में एकाएक बढोतरी हुई है। चिकित्सकों के अनुसार लापरवाही नहीं बरतें। बच्चे एवं बुजुर्ग दोपहर में बाहर नहीं निकलें। वाहन पर बिना मुंह ढंके आवाजाही नहीं करें। बार-बार पानी पिएं, पानी की कमी न होनें दें।

पहलगाम में आतंकी हमले में 27 की मौत

पहलगाम, 22 अप्रेल। दक्षिण कश्मीर के प्रमुख पर्यटक स्थल पहलगाम में मंगलवार को आतंकवादियों ने कायराना हरकत की है। आतंकियों ने अंधाधुंध गोली बारी की और 27 लोगों की जान ले ली। पीएम मोदी ने हमले की निंदा करते हुए दुख जताया है।

मरने वालों में से 16 के नाम आए सामने-हमले में मारे गए 27 लोगों में से 16 के नाम सामने आ चुके हैं। इसमें एक नेपाल और एक साउन्दी अरब का भी नागरिक है। इसके अलावा 10 घायल की सूची भी प्रशासन की ओर से जारी कर दी गई है।

दिल्ली में अलर्ट जारी-जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद दिल्ली में अलर्ट जारी किया गया है। दिल्ली पुलिस को पर्यटन स्थलों और अन्य महत्वपूर्ण जगहों पर भी कडी नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने जताया शोक-अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ट्वीट करते हुए लिखा कि उषा और मैं भारत के पहलगाम में हुए दर्दनाक आतंकवादी हमले के पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। पिछले कुछ दिनों में, हम इस देश और इसके लोगों की खूबसूरती से अभिभूत हैं। इस भयावह हमले पर शोक जताते हुए हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके साथ हैं।

कल रियासी पूरी तरह से बंद-कश्मीर के पहलगाम में हिंदुओं की हुई लक्षित हत्या के विरोध में मंगलवार शाम को हिंदू संगठनों ने रोष रैली निकाली। कल बुधवार 23 अप्रैल को रियासी पूरी तरह से बंद रखने और चक्का जाम करने की घोषणा हुई है।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गृह मंत्री को दी जानकारी-जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पहलगाम आतंकी हमले के बारे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को जानकारी दी। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और अन्य उच्चस्तरीय अधिकारी भी मौजूद रहे।

अभा सिविल सेवा परीक्षा: गरोठ के ऋषभ चौधरी 28 वें स्थान पर

मंदसौर के युगांश ने भी पाई सफलता

मंदसौर, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारतीय सिविल सेवा परीक्षा 'यूपीएससी' 2024 का फाइनल रिजल्ट मंगलवार को जारी किया। मध्य प्रदेश की आयुषी बंसल को 07वीं रैंक मिली है। इससे पहले आयुषी ने यूपीपीएससी-2023 में 97वीं और 2022 में 188वीं रैंक हासिल की थी। मंदसौर के लिए खुशी की बात यह रही कि इसमें मंदसौर जिले के गरोठ के रहने वाले ऋषभ चौधरी ने 28 रैंक की हासिल की है। खास बात ये है कि ऋषभ ने बिना कोचिंग के ही ये मुकाम पाया है। इसी तरह से मंदसौर के जनता कॉलोनी के रहने वाले युगांश भटनागर ने 307वीं रैंक हासिल की।

ऋषभ यह उपलब्धि पर पूर्व मंत्री सुभाष सोजतिया ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी है। श्री सोजतिया ने कहा कि इस क्षण गरोठ सहित मंदसौर जिले को गौरवान्वित करने वाला है। 27 वर्षीय ऋषभ चौधरी ने अपनी मेहनत के बल पर बिना कोचिंग क्लासेस के पूरे देश मे गरोठ का नाम रोशन किया है।

नरवाई जलाने पर चार किसानों पर लगाया 17 हजार 500 रुपए जुर्माना

मंदसौर, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। पर्यावरण मंत्रालय भोपाल द्वारा 1981 की धारा 19 (5) के तहत गेंहू/धान अवशेषों को खेतों मे ही जलाये जाने पर प्रतिबंधित किया गया है। जो भो व्यक्ति/संस्था यदि ऐसा करते पाए जाते है तो उसे माननीय नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देशानुसार पर्यावरण मुआवजा अदा करना होगा।

अनुविभागीय अधिकारी द्वारा गरोठ क्षेत्र के 4 किसानों से गेहूं फसल की खेतों में नरवाई/ पराली जलाने पर 17 हजार 500 रुपए का अर्थ दंड वसूल किया गया। जिसमें पिपल्या जत्ति के रामसिंह पर 05 हजार रूपए, निवासी रूपरा कारूलाल पर 05 हजार रूपए, निवासी गांधीसागर पारसमल पर 02 हजार 500, निवासी कुरावन कमलेश पर 05 हजार रुपए की राशि का आर्थिक दण्ड अधिरोपित किया गया है।

सीतामऊ पुलिस ने राजस्थानी तस्करों की धरपकड़ हेतु की छापामार कार्रवाही...

कोई बड़ा तस्कर हाथ नहीं आया, लेकिन हड़कंप मचा

राजस्थान पुलिस का मिला सहयोग

मंदसौर, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मादक पदार्थो की तस्करी का गढ माने जाने वाले मंदसौर जिले में पुलिस कप्तान अभिषेक आनंद की अगुवाई में सीतामऊ पुलिस ने एसडीओपी दिनेश प्रजापति के नेतृत्व में राजस्थान पुलिस के सहयोग से तस्करों के ठिकानों पर छापामार कार्रवाही की। हालांकि इस कार्रवाहीं के दौरान कोई भी तस्कर पुलिस के हाथ नहीं आया। लेकिन, गावों में शरण लेने वाले तस्करो में हडकंप मच गया। बताया जाता है कि मप्र और राजस्थान की सीमा का तस्कर फायदा उठाते है। राजस्थान में वारदात कर मप्र में आकर छिपते है और यहां वारदात कर राजस्थान में जाकर छीप जाते है। इसी के चलते मंदसौर पुलिस कप्तान अभिषेक आनंद ने रणनीति बनाई और राजस्थान पुलिस के सहयोग से सीतामऊ पुलिस ने छापामार कारवाही करते हुए राजस्थान के धाराखेडी, उदयपुरा, चाचूरनी गांव में छापा मारा। हालांकि इस

कार्रवाही में पुलिस को सफलता हाथ नहीं लगी।

बताया जा रहा है कि पुलिस के पास मंदसौर जिले के तस्कर लियाकत, फिरोज लाला सुरजानी, शंकर सिंह मुन्ना और सलमान के इन गांवों में छुपे होने की खबर थी। जिस पर एसडीओपी दिनेश प्रजापति, टीआई मोहन मालवीय और साताखेडी चौकी प्रभारी शुभम व्यास ने अपनी टीम के साथ तस्करों के ठिकानों पर छापामार कार्रवाई की। लेकिन तस्कर हाथ नहीं आऐ।

बाइक दुर्घटना में युवक की मौत

गरोठ, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। नगर के शामगढ़ रोड स्थित नायरा पेट्रोल पंप के सामने सोमवार रात एक बाइक दुर्घटना में युवक की मौत हो गई। वहीं टक्कर मारने वाला वाहन चालक मौके से फरार हो गया। मृतक की पहचान शादाब अली के रूप में हुई है। वह गरोठ के मुस्लिम मोहल्ले का रहने वाला था। शादाब एक टायर की दुकान पर काम करता था। छह महीने पहले ही उसका निकाह हुआ था। घटना की सूचना मिलते ही गरोठ थाने के उप निरीक्षक मनोज महाजन मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल यह पता नहीं चल पाया है कि दुर्घटना किस वाहन की टक्कर से हुई। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

चीन ने 10 जी नेटवर्क लॉन्च कर दिया, बैटरियां बनाने में सरताज है, हम कब्रों पर बहस कर रहे...

मंदसौर/उज्जैन, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। विश्व व्यापार एवं तकनीकी पटल पर अमेरिका के तमाम करो के दबाव के बाद भी चीन अपने शोध कार्य श्रम शक्ति के कारण विश्व में वर्चस्व स्थापित करता जा रहा है। आज जब भारत वर्ष में कोई भी एक नेटवर्क समान क्षमता से चल नहीं सकता है, यहां तक की राज्यों की राजधानियों तक में 5जी नेटवर्क बराबर नहीं चलता है। जबकि, देश भर में दावा तो 5जी का किया ही जाता है। ऐसे ही वाहनों, शस्त्रों तथा अंतरिक्ष में भी चीन अपनी तकनीक की कुशाग्रता का परिचय दे चुका है। शस्त्रों के मामले में भी चीन बहुत आगे निकल चुका है। अब दुनिया भर में पर्यावरण सुधार के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों का उत्पादन और विक्रय को सरकारे बढ़ावा दे रही है। इस क्षेत्र में भी चीन का एकाधिकार होता जा रहा है। क्योंकि, इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बनने वाली बैटरियों का अधिकतम उत्पादन चीन में होता है।

चन्द्रमोहन भगत

इसके अलावा मोबाइल, सैटेलाइट, मोबाइल फोन की बैटरियां भी चीन में ही बनती है। लिथियम आयन बैटरी निर्माण में भी दुनिया की दो तिहाई बैटरी चीन में बनाई जाती है। स्पष्ट है कि दुनिया का कोई भी देश में अगर किसी तरह का भी इलेक्ट्रिक वाहन या अन्य उपकरण बनता है तो बैटरी के लिए उसे चीन पर ही निर्भर रहना पडेगा। याने वर्तमान में दुनिया भर में चल रहे मोबाइल फोन और अन्य उपकरणों में लगने वाली 65 से 70 प्रतिशत बैटरिया चीन में बनाई जा रही है।

अमेरिका राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ वार के बाद भी चीन पर इसका असर नजर नहीं आया है। इसका एकमात्र कारण था चीन में होने वाला प्रत्येक उत्पादन, फिर चाहे वह बच्चों के खिलौने हो, बुजुर्गों के उपयोग वाली छड़िया, घरों में उपयोग होने वाले पंखे, बच्चों की साइकिल, विद्युत उपकरण जैसे बल्ब, बहुत छोटी मोटरों से चलने वाले घरेलू उपकरण से लेकर अब बीवायडी कारें जो 360 डिग्री पर एक ही स्थान पर घुमाई जा सकती है। वैश्विक बाजार के जानकारों का कहना है कि खुद अमेरिका में 75 प्रतिशत खिलौने की पूर्ति चीन से होती रही है। यह भी कहा जा रहा है कि चीन से व्यापार युद्ध करने वाले सभी देशो को बहुत नुकसान उठाना पड़ेगा। क्योंकि, बैटरी चलित उपकरणों के निर्माण पर चीन का एकाधिकार बना हुआ है। अंतरिक्ष में एलन मस्क के 09 हजार उपग्रह छोड़े जाने का इंतजार है तो चीन 17000 भेजने को तैयार है।

दरअसल चीन ने विकसित देश बनने के लिए अपने देश के रिसर्च एवं डेवलपमेंट जैसे कार्यक्रम का बजट बढ़ाया और स्कूलों से लेकर उच्च शिक्षा वर्ग के छात्रों को अनेक शोध किए जाने पर दिल खोलकर बजट राशि आवंटित की जाती रही है। आज नतीजा सबके सामने है। सैन्य जगत में हथियारों के मामले में भी चीन अमेरिका, रूस, फ्रांस, जर्मनी जैसे राष्ट्रों के मुकाबले खडा नजर आ रहा है। इसके उलट एशिया में तेजी से आगे बढ़ने वाला दूसरा देश भारत ही है। यहां हमारी सरकार रिसर्च डेवलपमेंट के बजट को एक दशक से लगातार घटाते जा रही है। इस कारण मेघावी शोधार्थी छात्रों के रहते भी नई खोजो में हम पिछड़ते जा रहे हैं। यहां तक की जो उपकरण देश में ही निर्मित किए जाते थे, उनकी भी लागत बढ जाने के कारण उत्पादन घटाया जा रहा है। हमारे देश से छोटे देश के युवा नई खोजों के मामले में हमसे आगे निकलते जा रहे हैं। देश की प्रगति के लिए तकनीकी शिक्षा पर ध्यान देने की बजाय औरंगजेब, अकबर, खिलजी की कब्रों में उलझाया जा रहा है। इन हालातो के कारण भारत तकनीकी दुनिया में पिछडता जा रहा है। इसका असर भविष्य में देश की सुरक्षा और आर्थिक स्तर पर साफ नजर आएगा।

विचार-मंथन

एआई के दौर में चकित करता है मनुष्येतर जीवों का सहज ज्ञान

आज जबकि दुनिया में चारों ओर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का डंका बज रहा है, पक्षियों व जलीय जीव-जंतुओं की प्राकृतिक मेधा की आश्चर्य में डालने वाली खबरें अक्सर ही सामने आ जाती हैं. ताजा घटना में महाराष्ट्र के रत्नागिरि में एक ऐसा कछुआ मिला है, जिसके बारे में कहा जा रहा है कि वह करीब 3500 किलोमीटर की यात्रा करके वहां तक पहुंचा है. उसे वर्ष 2018 में ओडिशा में टैग किया गया था और इस बीच वह एक बार श्रीलंका भी जाकर आ चुका है. अब इस मादा कछुए की यात्रा को देखते हुए वैज्ञानिक कछुओं के प्रवास के बारे में नई समझ विकसित करने में लगे हुए हैं. जब अपनी सुस्त चाल के लिए जाना जाने वाला कछुआ इतनी लंबी दूरी तय कर सकता है तो सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि प्रकृति ने मनुष्येतर जीवों को कितनी खूबियों से नवाजा है! बहुत से पक्षी हर साल प्रवास के लिए हजारों किमी की यात्रा करते हैं. हमारे भारत देश में ही हर साल लाखों की संख्या में पक्षी यूरोप और रूस के क्षेत्रों से आते हैं, यहां की झीलों, तालाबों में कई महीनों का समय गुजारते हैं और सर्दी खत्म होने पर वापस अपने पुराने क्षेत्र में लौट जाते हैं. यह सिलसिला शायद हजारों वर्षों से साल-दर-साल चला आ रहा है और उनकी आनुवंशिकी में शामिल हो गया है. कहते हैं यात्रा का समय नजदीक आते ही प्रवासी पक्षी बेचैनी महसूस करने लगते हैं और कुछ पक्षी तो बिना रुके ही हजारों किमी की यात्रा तय करते हुए अपने गंतव्य तक पहुंच जाते हैं. 1800 के दशक से ही पशुओं के प्रवासन के प्रमाण सामने आने लगे थे. 1822 में एक चर्चित घटना सामने आई जब जर्मन शिकारियों ने एक सफेद सारस को मार गिराया. इस सारस के गले में करीब 75 सेंटीमीटर लंबा अफ्रीकी लकड़ी का भाला फंसा हुआ था. इससे पता चला कि उस सारस ने दो अलग-अलग महाद्वीपों के बीच यात्रा की थी. इस सारस के संरक्षित अवशेष अभी भी जर्मनी के रोस्टॉक विश्वविद्यालय में प्रदर्शनी के तौर पर रखे हुए हैं. आखिर रास्ते की विभिन्न बाधाओं को झेलते हुए ये पक्षी इतना लंबा प्रवास क्यों करते हैं? विशेषज्ञों का कहना है कि चरम मौसम की वजह से भोजन की तलाश और मौसम की मार से बचे रहने के लिए पक्षी ऐसा करते हैं. लेकिन जो पक्षी पहली बार प्रवास करते हैं उन्हें कैसे पता होता है कि हजारों किमी दूर उन्हें रहने-खाने के लिए अनुकूल स्थान मिल पाएगा? शायद प्रवास करने वाली प्रजातियों में हजारों वर्षों के प्रवास से ऐसी समझ विकसित हो गई है और अब प्रवास यात्रा उनकी आनुवंशिकी का हिस्सा बन गई है. उनमें मौसम, भूगोल, भोजन के स्रोत, दिन की लंबाई और अन्य कारकों के लिए प्रतिक्रियाएं विकसित हो चुकी हैं. कहा तो यहां तक जाता है कि लंबी दूरी पर अपने आवासों की पहचान के लिए वे पृथ्वी की मैग्नेटिक फील्ड की भी पहचान रखते हैं. कहने का मतलब यह है कि विरासत से मिलने वाले अनुभवों का सभी प्राणी अपनी बेहतरी के लिए इस्तेमाल करते हैं. तो क्या हम मनुष्य भी ऐसा ही करते हैं? अभी ज्यादा समय नहीं बीता जब हम अपने पूर्वजों के संचित ज्ञान का कृषि सहित जीवन के अन्य क्षेत्रों में इस्तेमाल करते थे. दुर्भाग्य से तकनीकी विकास बढ़ने के साथ ही हम मनुष्य अपने सहज ज्ञान को खोते जा रहे हैं. वर्ष 2004 में जब विनाशकारी सुनामी आई थी, तब कहते हैं अंडमान निकोबार के द्वीपों में रहने वाली आदिवासी जनजातियों के किसी भी सदस्य की मृत्यु नहीं हुई थी, क्योंकि उन्होंने पहले ही सुनामी के आने को महसूस कर लिया था और ऊंचे स्थानों पर चले गए थे. आज भी भूकंप आने के पहले कई जीव-जंतुओं में अस्वाभाविक प्रतिक्रिया देखी जाती है, उन्हें भूकंप आने का शायद पहले ही पता चल जाता है! कृत्रिम मेधा ने हमें बहुत फायदा पहुंचाया है लेकिन नुकसान भी शायद कम नहीं किया है. क्या ऐसा नहीं हो सकता कि कृत्रिम मेधा के साथ-साथ हम अपनी प्राकृतिक मेधा को भी बचाए रख सकें।

भारत-चीन संबंधों में दोबारा शांत संतुलन का संकेत?

अरुणिम भुयान

भारत और चीन के बीच कई वर्षों के कूटनीतिक गतिरोध के बाद सकारात्मक पहल हुई है. गुरुवार को नई दिल्ली में साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने घोषणा की कि भारतीय तीर्थयात्रियों को इस साल एक बार फिर चीनी क्षेत्र के माध्यम से कैलाश-मानसरोवर यात्रा करने की अनुमति दी जाएगी. जायसवाल ने कहा, मैं समझता हूं कि इस साल यात्रा होगी. हम तैयारी कर रहे हैं और जल्द ही जनता को और जानकारी दी जाएगी. उन्होंने आगे कहा कि मंत्रालय जल्द ही जनता के लिए एक नोटिस जारी करेगा. यह एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है जो भारत-चीन संबंधों में दोबारा शांत संतुलन का संकेत देता है. व्यापक क्षेत्रीय उतार-चढ़ाव और वास्तविक नियंत्रण रेखापर अनसुलझे तनाव के बीच, यह कदम बीजिंग के इरादों और नई दिल्ली की रणनीति के बारे में महत्वपूर्ण सवाल उठाता है. भारत-चीन के बीच परामर्श एवं समन्वय के लिए कार्य तंत्र की 33वीं बैठक के दौरान चीनी क्षेत्र से होकर कैलाश-मानसरोवर यात्रा का मुद्दा उठा. भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव (पूर्वी एशिया) गौरांगलाल दास ने किया, जबकि चीनी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व चीनी विदेश मंत्रालय के सीमा एवं महासागरीय मामलों के विभाग के महानिदेशक हांग लियांग ने किया. विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, सकारात्मक और रचनात्मक माहौल में आयोजित बैठक में भारत-चीन सीमा

क्षेत्रों में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर स्थिति की व्यापक समीक्षा की गई. बयान में कहा गया, समग्र द्विपक्षीय संबंधों के सुचारू विकास के लिए सीमा पर शांति और सौहार्द महत्वपूर्ण है. दोनों पक्षों ने दिसंबर 2024 में बीजिंग में भारत-चीन सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधियों की 23वीं बैठक के दौरान लिए गए निर्णयों को प्रभावी बनाने और प्रभावी सीमा प्रबंधन को आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न उपायों और प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया. दोनों पक्षों ने इस दिशा में प्रासंगिक राजनयिक और सैन्य तंत्र को बनाए रखने और मजबूत करने पर सहमति जताई. उन्होंने सीमा पार नदियों और कैलाश-मानसरोवर यात्रा सहित सीमा पार सहयोग और आदान-प्रदान को जल्द से जल्द फिर से शुरू करने पर भी चर्चा की. कैलाश-मानसरोवर यात्रा चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में स्थित कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील की पवित्र तीर्थयात्रा है. इसे विशेष महत्व की आध्यात्मिक यात्रा माना जाता है, यह हिंदू, बौद्ध, जैन और बॉन अनुयायियों के लिए महत्वपूर्ण है. इस यात्रा में कठोर भूभाग, उच्च ऊंचाई और चरम मौसम को पार करना शामिल है, जो इसे दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण तीर्थयात्राओं में से एक बनाता है. विदेश मंत्रालय हर साल जून से सितंबर के दौरान दो अलग-अलग मार्गों - लिपुलेख दर्रा (उत्तराखंड) और नाथू ला दर्रा (सिक्किम) के माध्यम से इस तीर्थ यात्रा का आयोजन करता है. हर साल सैकड़ों लोग इस यात्रा में शामिल होते हैं. भगवान शिव के निवास के रूप में हिंदुओं के लिए महत्वपूर्ण होने के कारण, यह जैन और बौद्ध अनुयायियों के लिए भी धार्मिक महत्व रखती है. धार्मिक उद्देश्यों के लिए कैलाश-मानसरोवर की यात्रा पर जाने के लिए वैध भारतीय पासपोर्ट होना जरूरी है. इस यात्रा में 19,500 फीट की ऊंचाई पर, दुर्गम मौसम और ऊबड़-खाबड़ इलाकों सहित दुर्गम परिस्थितियों में ट्रैकिंग शामिल है, और यह उन लोगों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है जो शारीरिक और चिकित्सकीय रूप से स्वस्थ नहीं हैं. भारत सरकार किसी भी तरह से किसी तीर्थयात्री की जान या चोट की हानि, या किसी प्राकृतिक आपदा या किसी अन्य कारण से तीर्थयात्री की संपत्ति को हुए नुकसान या क्षति के लिए जिम्मेदारी का दावा नहीं करती है. तीर्थयात्री पूरी तरह से अपनी इच्छा, लागत और जोखिम पर यात्रा करते हैं. सीमा पार मृत्यु की स्थिति में सरकार किसी भी तीर्थयात्री के पार्थिव शरीर को दाह संस्कार के लिए भारतीय सीमा में लाने के लिए बाध्य नहीं होगी. इसलिए, सभी तीर्थयात्रियों को मृत्यु की स्थिति में चीनी सीमा में पार्थिव शरीर के दाह संस्कार के लिए सहमति पत्र पर हस्ताक्षर करना जरूरी है. यह यात्रा केंद्र सरकार, उत्तराखंड और सिक्किम की राज्य सरकारों तथा भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के सहयोग से आयोजित की जाती है. कुमाऊं मंडल विकास निगम (केएमवीएन) और सिक्किम पर्यटन विकास निगम (एसटीडीसी) और उनके सहयोगी संगठन भारत में तीर्थयात्रियों के प्रत्येक जत्थे के लिए रसद सहायता और सुविधाएं प्रदान करते हैं. दिल्ली हार्ट एंड लंग इंस्टीट्यूट इस तीर्थयात्रा के लिए आवेदन करने वालों के फिटनेस स्तर का पता लगाने के लिए चिकित्सा परीक्षण करता है. हालांकि, ऐसे कई उदाहरण हैं जब चीन ने भारतीय तीर्थयात्रियों पर यात्रा प्रतिबंध लगा दिया है. जून 2017 में, चीन ने तिब्बत में भूस्खलन और प्रतिकूल मौसम की स्थिति का हवाला देते हुए नाथू ला दर्रे के माध्यम से भारतीय तीर्थयात्रियों को प्रवेश देने से इनकार कर दिया था. लगभग 47 तीर्थयात्रा प्रभावित हुए थे, जिसके कारण दोनों देशों के बीच कूटनीतिक चर्चा हुई. रिपोर्ट्स के अनुसार, 2023 में चीन ने भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए कड़े कदम उठाए हैं, जिसमें उच्च शुल्क और अनिवार्य बायोमेट्रिक डेटा प्रस्तुत करना शामिल है. इन उपायों से भारतीयों के लिए तीर्थयात्रा अधिक चुनौतीपूर्ण हो गई. यात्रा के संबंध में चीन की कार्रवाइयां अक्सर दो एशियाई दिग्गजों के बीच व्यापक भू-राजनीतिक तनाव के साथ मेल खाती हैं. प्रतिबंधों को न केवल रसद संबंधी निर्णयों के रूप में देखा जाता है, बल्कि द्विपक्षीय संबंधों की स्थिति को दर्शाने वाले संकेतों के रूप में भी देखा जाता है. चीन ने भारतीय तीर्थयात्रियों पर आखिरी बार प्रतिबंध 2020 में लगाया था, जब पूर्वी लद्दाख में दोनों देशों के बीच सीमा गतिरोध हुआ था. हालांकि, पिछले साल अक्टूबर में रूस के कजान में ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका) शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय बैठक के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में सुधार हुआ है. नई दिल्ली स्थित मनोहर पर्रिकर रक्षा अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान के पूर्वी एशिया केंद्र में एसोसिएट फैलो एमएस प्रतिभा के अनुसार, व्यापार के क्षेत्र में भारत और चीन के बीच तनाव हो सकता है, लेकिन दोनों देश द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाना चाहते हैं. प्रतिभा ने पिछले महीने अमेरिकी एआई शोधकर्ता और पॉडकास्टर लेक्स फ्रिडमैन के साथ प्रधानमंत्री मोदी के इंटरव्यू का जिक्र किया।

'धरती के स्वर्ग' पर तरक्की की रफ़्तार...

अमित शर्मा

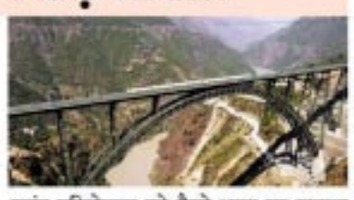

एक तरफ देश में सिविल कानून के विरोध के नाम पर भय और शांति की चर्चा है तो वहीं दूसरी तरफ जम्मू-कश्मीर में बदलाव और तरक्की की इबारत लिखी जा रही है। जी हां, धरती के स्वर्ग कहे जाने वाले जम्मू कश्मीर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक और भीष्म प्रतिज्ञा पूरी हो चुकी है। आज से लगभग 32 साल पहले साल 1992 में नरेंद्र मोदी ने अनुच्छेद 370 के खिलाफ़ एक प्रदर्शन में लाल चौक पर बड़ी प्रतिज्ञा ली थी कि घाटी से न सिर्फ़ आतंकवाद का सफाया होगा बल्कि हिंदुस्तान के 'मुकुट' की चमक एक बार फिर दुनिया देखेगी। वाकई आज पीएम मोदी की ये भीष्म प्रतिज्ञा पूरी होती नजर आ रही है। जिस घाटी पर वर्षों दहशतगर्दी का काला साया रहा वहां अब गोलियों की तड़तड़ाहट नहीं बल्कि विकास की पटरी पर दौड़ती 'वंदे भारत' की सीटियां सुनाई देगी। जी हां, इस देश के तमाम नागरिकों का वर्षों पुराना सपना पूरा होने जा रहा है। अब धरती का स्वर्ग कहे जाने वाले जम्मू से कश्मीर की वादियों तक ट्रेन से सफर किया जा सकेगा, हालांकि मौजूदा समय में कटरा तक रेल संपर्क है। वहीं अब देश का सबसे चुनौतीपूर्ण और महत्वपूर्ण श्रीनगर-कटरा रेल ट्रैक भी पूरी तरह तैयार है, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जल्द ही प्रधानमंत्री मोदी इस बहुप्रतीक्षित श्रीनगर-कटरा वंदे भारत रेल सेवा और उधमपुर-कटरा-बनहाल-श्रीनगर रेल लिंक प्रोजेक्ट का उद्घाटन कर सकते हैं। हिंदुस्तान की इस तरक्की पर दुनिया की निगाह है। कल तक खुद को तुर्रम खां समझने वाले कई देश आज भारत की तरक्की का लोहा मानने को मजबूर हैं लेकिन ये सफर इतना आसान नहीं था। इसे तय करने के लिए मौजूदा लीडरशिप ने वाकई कई कड़े और बड़े फैसले लिए जिनकी वजह से धरती के स्वर्ग की फ़िजा बदल रही है। दरअसल, अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद से, मोदी सरकार ने जम्मू और कश्मीर को बेहतर कनेक्टिविटी, आर्थिक विकास और बेहतर सार्वजनिक सेवाओं वाले क्षेत्र में बदलने के उद्देश्य से लगातार कई पहल की हैं। सरकार ने आतंक से लोहा लेने के अलावा बुनियादी ढांचा विकसित करते हुए कनेक्टिविटी का ऐसा तानाबाना बुना है कि घाटी अब तरक्की की राह पर सरपट दौड़ रही है। सरकार ने रणनीतिक तौर पर मजबूती हासिल करते हुए कई सुरंगें और सड़कों का जाल बिछा दिया है। जम्मू कश्मीर की तरक्की की बात करते समय जेड-मोड़ सुरंग परियोजना को कैसे भूला जा सकता है। जेड-मोड़ सुरंग का जनवरी 2025 में उद्घाटन किया गया, यह 6.5 किलोमीटर लंबी सुरंग सोनमर्ग को सभी मौसम में कनेक्टिविटी प्रदान करती है, जो एक महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल है। यही सुरंग साल भर सोनमर्ग तक पहुँच सुनिश्चित करती है और स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा देती है। इतना ही नहीं जेड-मोड़ सुरंग लद्दाख क्षेत्र में देश की डिफेंस सप्लाई व रणनीतिक तौर पर भी काफी महत्वपूर्ण है। जोजी-ला सुरंग- जेड-मोड़ सुरंग के अलावा वर्तमान में जोजी-ला सुरंग पर भी काम चल रहा है। निर्माणाधीन यह सुरंग लगभग 14.2 किलोमीटर लंबी है। सुरंग का उद्देश्य खतरनाक जोजीला दर्रे को दरकिनार करते हुए कश्मीर को लद्दाख से जोड़ना है। पूरा होने पर, यह एशिया की सबसे लंबी सुरंग होगी, जो यात्रा के समय को काफी कम कर देगी और सामरिक सैन्य रसद को बढ़ाएगी। वहीं, अगर बात करें, रेल परियोजनाओं की तो भारत ने घाटी को विकास की मुख्यधारा में जोड़ने के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें से ही एक है चिनाब रेल पुल। दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल के रूप में जाना जाने वाला यह पुल एफिल टॉवर से भी ऊंचा है और इंजीनियरिंग का एक शानदार नमूना है। यह पुल उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक परियोजना का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य कश्मीर घाटी को शेष भारत से जोड़ना है। इसके अलावा अंजी खाद पुल के निर्माण ने भी घाटी परिवहन नेटवर्क को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह भारत का पहला केबल-स्टेड रेलवे पुल है। यह कटरा और रियासी के बीच संपर्क को बढ़ाता है। जम्मू कश्मीर से हर तरह की नाउम्मीदी का अंधेरा छंटने लगा है। किशनगंगा जलविद्युत परियोजना, बगलीहार बांध योजना इसका जीता जागता उदाहरण है। किशनगंगा जलविद्युत परियोजना का मई 2018 में उद्घाटन किया गया। 330 मेगावाट की किशनगंगा जलविद्युत परियोजना से यहां के लोगों की जिंदगी रोशन हो रही है। जिससे मौजूदा क्षमता में 450 मेगावाट की वृद्धि हुई और जम्मू-कश्मीर में ऊर्जा सप्लाई को जबरदस्त मजबूती मिली है।

पत्थर-दिल गोएबेल्स दंपती, जिसने अपने छह बच्चों को मारकर की थी खुदकुशी

जर्मनी के चांसलर और तानाशाह हिटलर ने जब 1945 में आत्महत्या कर ली थी, तब उसके बहुत सारे सहयोगियों-समर्थकों ने भी जान देने की ठान ली थी। इनमें से एक था हिटलर का दायां हाथ माना जाने वाला गोएबेल्स। झूठ बोलकर हिटलर की लोकप्रियता बनाए रखने में गोएबेल्स का कोई सानी नहीं था, लेकिन इसने आत्महत्या से पहले जो करतूत की, वह रूह कंपा देने वाली थी। जोरकिम फेस्ट की पुस्तक 'इनसाइड हिटलर्स बंकर' में इस खून खराबे से भरे पल का रोंगटे खड़े कर देने वाला वर्णन मिलता है। इस किताब में यह साफ-साफ लिखा है कि किस प्रकार गोएबेल्स दंपती ने आत्महत्या से पहले करूरतापूर्वक अपने छह मासूम बच्चों को मौत की नींद सुला दिया। जर्मनी के लोगों में हिटलर के प्रति समर्पण की घुट्टी पिलाने वाले गोएबेल्स का अंत ऐसा हुआ, जिसे पूरी दुनिया में आत्महत्या के क्रूरतम उदाहरणों में गिना गया। गोएबेल्स और उसकी पत्नी मैग्डा गोएबेल्स ने अपने ही बच्चों को मारने की साजिश रचनी शुरू की। इस पत्थर-दिल दंपती ने फैसला किया कि वह पहले बच्चों को गहरी नींद में ला देंगे और उसके बाद उन्हें एक-एक कर मौत के घाट उतार देंगे। गोएबेल्स ने डॉक्टर हेलमट गुस्ताव कुंज से कहा कि वह छह बच्चों को नींद का इंजेक्शन लगा दे। इंजेक्शन के बाद बच्चे गहरी नींद में सो गए। हिटलर का करीबी और खास डॉक्टर लुडविग स्टंपफेगर इन भयावह तरीके से हो रही मौतों का गवाह था। उसकी मौजूदगी और देखरेख में ही गोएबेल्स के बच्चों के लिए साइनाइड जैसे खतरनाक जहर का इस्तेमाल होना था, लेकिन वह तमाशबीन बना रहा। डॉक्टर का काम जान बचाना होता है, लेकिन हिटलर-गोएबेल्स की नफरतवादी नीतियों ने डॉक्टर लुडविग को एक मौन हत्यारे में बदल दिया था। बहरहाल, डॉक्टर लुडविग की उपस्थिति में ही मां मैग्डा ने बच्चों के मुंह में साइनाइड डालनी शुरू की। लेकिन तभी उसकी एक बड़ी बेटी हेल्गा ने इसका विरोध शुरू कर दिया। वह इस सामूहिक हत्या और आत्महत्या के पूरी तरह खिलाफ होकर नाराजगी जाहिर करने लगी। नींद के इंजेक्शन के बावजूद हेल्गा में जितना होश बचा था, उसी में उसने पूरी ताकत से अपनी रक्षा करनी चाही। वह अपने बचाव में जोर-जोर से छटपटाने लगी, लेकिन उसे बहुत जोर से पकड़ा गया और उसकी मां ने ही उसके मुंह में साइनाइड डाल दिया। पल भर में ही साइनाइड से हेल्गा अन्य बच्चों की तरह मर गई, लेकिन उसके शरीर पर पड़े खरोंच के निशान यह बता रहे थे कि वह जीना चाहती थी। पहले मूर्तिवत खड़ी रही, फिर फूट-फूटकर रो पड़ी मां-अपने छह बच्चों हेल्गा, हिल्डा, हेलमट, होल्डे, हेडा और हीडे की लाशों के बीच खड़ी उसकी मां मैग्डा किसी मूर्ति की तरह जड़ हो गई थी। साइनाइड की बूंदों के गले में उतारे जाने के बाद पलभर में मौत की नींद सो जाने वाले बच्चों की तरफ देख रही मैग्डा अपनी जगह से नहीं हिल पा रही थी। बाद में जब वह अपने बंकर में गई, तो सामने खड़े पति गोएबेल्स की ओर देखा। गोएबेल्स ने इशारों में पूछा कि क्या हुआ। मैग्डा उसके नजदीक जाकर काम हो जाने की बात कहते ही फफक-फफककर रोने लगी। मैग्डा और गोएबेल्स ने भी चखा साइनाइड जो साइनाइड गोएबेल्स के छह बच्चों की मौत का कारण बना, अब उसका स्वाद चखने के लिए खुद गोएबेल्स और उसकी पत्नी तैयार थे। गोएबेल्स को पता था कि जर्मनी में हिटलर की तानाशाही के अंत के बाद अब उसके पास को कोई रास्ता नहीं बचा था।

अभियान चलाकर समग्र ई-केवायसी का कार्य शीघ्र पूर्ण करवाएं-वैष्णव

नीमच, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जिले के सभी सीएमओ एवं जनपद सीईओ अभियान चलाकर, 15 मई 2025 तक शतप्रतिशत हितग्राहियों के समग्र ई-केवायसी का कार्य पूर्ण करवाए। जिससे, कि पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का हितलाभ मिलने में कोई असुविधा ना हो। यह निर्देश जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में समय सीमा पत्रों के निराकरण की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में सभी एसडीएम सभी सीएमओ एवं जनपद सीईओ को दिए। बैठक में एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड, तीनों जनपद सीईओ एवं जिले की सभी नगरीय निकायों के सीएमओ उपस्थित थे।

नरवाई जलाने पर की जाए सख्तए कार्यवाही- जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णईव ने बैठक में निर्देश दिए, कि जिले में नरवाई जलाने पर प्रतिबंध लगाया जा चुका है। ऐसे में नरवाई जलाने पर राजस्वश अधिकारी संबंधितों के विरूद्ध सख्ति कार्यवाही करें। दोषियों के विरूद्ध नियमानुसार अर्थदण्डए आरोपित कर, अर्थदण्डब की वसूली भी करें। उन्हो ने सभी एसडीएम, तहसीलदार को नरवाई जलाने वालों पर कडी निगरानी रखने के निर्देश भी दिए। बैठक में ई-गर्वनेंस जिला प्रबंधक श्री संदीप पाटीदार ने बताया, कि सभी जनपदों एवं नगरीय निकायों को जिन हितग्राहियों की ई-केवायसी हो गई है और जिनकी ई-केवायसी नहीं हुई है, उनकी सूची उपलब्ध करा दी है। जो वार्ड प्रभारी एवं कर्मचारी मोबाईल एप्प से ईकेवायसी का कार्य करेंगा, उसे प्रति ई-केवायसी 14 रूपये के मान से प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया जाएगा। जिला पंचायत सीईओ श्री वैष्ण व ने निर्देश दिए, कि प्रत्येक नगरीय निकाय को प्रति वार्ड प्रभारी, प्रतिदिन 50-50 ई-केवायसी करवाने का लक्ष्य रखकर, कार्य करना है। वे यह लक्ष्यह प्राप्त करें। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में ई-केवायसी के लिए शिविर आयोजित कर, शेष ई-केवायसी कार्य पूर्ण करने के निर्देश भी दिए।

श्री बड़वाले बालाजी मंदिर में महाआरती व महाप्रसादी का हुआ आयोजन

मंदसौर, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। श्री नालछा माता मंदिर रोड पर स्थित श्री बड़वाले बालाजी मंदिर परिसर में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्री हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में 22 अप्रैल, मंगलवार को सुंदरकाण्ड, महाआरती, कन्या पूजन के साथ विशाल महाप्रसादी (भण्डारे) का आयोजन किया गया। श्री बड़वाले बालाजी के चरण सेवक दलपतसिंह पंवार व समिति प्रवक्ता रवि ग्वाला ने बताया कि प्रतिवर्ष श्री बड़वाले बालाजी मंदिर पर हनुमान जन्मोत्सव का भव्य आयोजन होता है। इस वर्ष भी 22 अप्रैल को प्रात: से ही अनेक धार्मिक आयोजन किये गये। प्रात: मंदिर को भव्य रूप से सजाया गया। बालाजी का आकर्षक श्रृंगार किया गया। संगीतमय सुंदरकाण्ड में बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित रहे।

मंदिर में भगवान बालाजी की महाआरती की गई जिसमें सामाजिक कार्यकर्ता विनय दुबेला (दादा दयालु), नवीन जोशी, विनोद रूनवाल, महेन्द्रसिंह सिसौदिया सहित अनेक भक्तों ने महाआरती की। उसके पश्चात् अतिथियों ने उपस्थित कन्याओं का पूजन कर उन्हें उपहार दिये गये। तत्पश्चात् महाप्रसादी का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया। इस दौरान पक्षियों हेतु 101 सकोरे भी भेंट किये गये। इस अवसर पर चरण सेवक दलपतसिंह पंवार, युवराजसिंह पंवार, रवि ग्वाला, लक्ष्मीनारायण रावत, जीतू विश्वकर्मा, राजेश चंदालिया, हरिश कुमावत, विजयसिंह जादौन, अर्पित श्रीवास्तव, गोल्डी भैया, भेरू रावत, अजय पुरोहित, महेन्द्रसिंह सिसौदिया सहित बड़ी संख्या में भक्तों ने अपनी सेवाएं दी।

सीईओ एवं एडीएम ने जनसुनवाई में 115 आवेदकों की सुनी समस्याएं

नीमच, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में मंगलवार को जिला पंचायत सी.ई.ओ.श्री अमन वैष्णव एवं एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड ने जनसुनवाई करते हुए 115 आवेदकों की समस्याएं सुनी और उनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

जनसुनवाई में जाट निवासी अब्दुल हकिम, पिपलिया मंडी की श्रीमती प्रेमलता भाटी, जेतपुरा की श्रीमती पुष्पाबाई, कनावटी के सुन्दर डागर, जालीनेर की सोहनबाई, चीताखेडा की अवंतिबाई, नीमच सिटी के अब्दुल मजीद, ग्राम दारू के प्रकाश नाथ, मनासा के यश चौहान, बंगीचा नं 10 के रवि कुमार, बरथुन के राजेन्द्र सिंह, गिरदौडा के किशन सिंह, स्टेशन रोड नीमच के सुगना बाई, खातीखेडा के सुखलाल, दुरगपुरा के जयचंद्र, जयसिहपुरा के बाबूलाल, तारापुर के जगदीश कुमावत, सकरानी के राधेश्याम बम ,हाडीपिपल्या के जमनालाल, जावी के भंवरलाल, बघाना के दिलीप, नाका नं4 नीमच की बेगमबानो, चंद्रपुरा की धापुबाई, माधवगंज महोल्लास नीमच के मो.सोहेल, सिंगोली की कंचनबाई, महागढ के अशरु मंसुरी, अंबेडकर कॉलोनी नीमच के कन्हैयालाल, अठाना के प्रेमचंद्र, हतुनिया के कवरलाल, बंगाली कॉलोनी के कमल, अखेपुर की पुष्पाबाई ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत कर अपनी समस्याएं सुनाई। एडीएम ने संबंधित अधिकारियों को जनसुनवाई में प्राप्त सभी आवेदनों का तत्परतापूर्वक निराकरण कर, संबंधित को समय-सीमा मे अवगत कराने के निर्देश दिए हैं। इस मौके पर संयुक्त कलेक्टर डॉ.ममता खेडे, श्री राजेश शाह, एसडीएम श्री संजीव साहू सभी डिप्टी कलेक्टर्स एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे।

उधार दिए रुपए मांगे तो पीटा, पिता-पुत्र सहित 3 पर प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। उधार दिए 50 रुपए एक साल बाद मांगे तो मारपीट की। पुलिस ने पिता-पुत्र सहित 3 पर केस दर्ज किया। नारायणगढ अहीर मोहल्ला निवासी विजय पिता मोहनलाल यादव ने नारायणगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि मैंने कृष्णकुमार खटीक को एक साल पहले 50 रुपए उधार दिए थे, वापस मांगे तो कृष्णकुमार ने उसके बेटे सचिव व प्रकाश पिता लालचंद खटीक के साथ मिलकर गाली-गलौज की व हाथ-मुक्कों से मारपीट की, जिससे नीचे गिर गया और सिर में चोंट लगने से खून निकलने लगा। पुलिस ने तीनों पर केस दर्ज किया।

बाइक की टक्कर से घायल, मामला दर्ज

पिपलियामंडी, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। दुर्घटना के मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया। बोरखेडी चारण निवासी चेनराम पिता रमेशचन्द सूर्यवंशी ने नारायणगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई मैं बाइक से पत्नी गंगाबाई के साथ कुकडेश्वर रिश्तेदारी में जा रहा था, इसी दौरान खेडा फिरोजाबाद व अरनिया जटिया के बीच बाइक (एमपी 14 एनबी 0332) पर सवार दौबडा निवासी सूरज पिता प्रकाश सूर्यवंशी ने टक्कर मार दी, जिससे मुझे व मेरी पत्नी को चोंटे आई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया।

ट्रक की टक्कर से राहगिर घायल

पिपलियामंडी, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। ट्रक की टक्कर से रोड क्रास कर रहा व्यक्ति घायल हो गया। सुबह 10.30 बजे फोरलेन पर थडोद बालाजी के यहां रोड क्रास कर रहे बोतलगंज निवासी दशरथसिंह पिता अर्जुनसिंह को ट्रक (एचआर 55 एक्यू 5623) के ड्राइवर ने तेज व लापरवाहीपूर्वक चलाकर टक्कर मार दी। जिससे दश्ज्ञरथसिंह घायल हो गया। सिर व कान में गंभीर चोंट आई। जिन्हें एम्बूलेंस ने मंदसौर भर्ती कराया। पुलिस ने सुरेन्द्रसिंह पंवार की रिपोर्ट पर ट्रक ड्राइवर पर केस दर्ज किया।

कन्या महाविद्यालय में विश्व पृथ्वी दिवस मनाया

मंदसौर, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। शासकीय कन्या महाविद्यालय, मंदसौर के प्राचार्य डा.सुधीर रायजादा ने बताया कि स्वामी विवेकानंद कॅरियर गाइडेन्स प्रकोष्ठ के तत्वावधान में 55वां विश्व पृथ्वी दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डा.पी.एल.पाटीदार ने संबोधित करते हुए कहा कि 22 अप्रैल को विश्व पृथ्वी दिवस दुनियाभर के 192 से अधिक देश मना रहे है। इसका उद्देश्य पर्यावरण एवं जैव विविधता के संकट के संरक्षण हेतु वैश्विक जनसमुदाय को जागरूक करना है।

इसकी स्थापना अमेरिका के सीनेटर जेराल्ड नेल्सन ने 1970 में की थी। आपने कहा कि पृथ्वी सौरमंडल का एकमात्र ऐसा ग्रह है जो जीवन जीने का आश्रय देता है। हमें समझना होगा कि पृथ्वी के कारण हम है, हमारे कारण पृथ्वी नहीं है। हमें इसका स्वामी नहीं, सेवक व संरक्षक बनना है। मानव समुदाय के अत्यधिक लालच ने पृथ्वी को अपनी गतिविधियों से नुकसान पहँचाया परिणामस्वरूप पृथ्वी का तापमान बढ रहा है और जलवायु परिवर्तन से कई संकट उत्पन्न हो गये। जैव विविधता खतरे में है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट ने जलवायु परिवर्तन की बडी चेतावनी देते हुए कहा कि तीन दशकों में पृथ्वी की तीन चैथाई भूमि शुष्क हो गई है। इससे 230 करोड लोगों के जीवन और रोजी-रोटी पर संकट है। धरती से 900 प्रजातियां विलुप्त हो गई है। वातावरण मे ग्रीन हाउस गैसों की वृद्धि के चलते कहीं अधिक वर्षा, बे-मौसम बारिश, कहीं सूखा, आंधी -तुफान चक्रवात व जंगलों में आग लगने का क्रम बढ रहा है। इससे ग्लेशियर पिघल रहे है। समुद्र का जल स्तर बढ रहा है। यही क्रम रहा तो आने वाले कुछ दशकों में समुद्र किनारे के स्थित कई शहर जलमग्न हो जायेगें। प्रकृति द्वारा धरती पर उपलब्ध कराये गये प्राकृतिक संसाधन जल, जमीन, जंगल, हवा आदि प्रदुषित हो रहे है। वैश्विक स्तर पर 460 मिलियन मिट्रिक टन प्लास्टिक का इस्तेमाल हो रहा है। भारत में 93 करोड टन प्लास्टिक कचरा प्रतिवर्ष उत्पन्न हो रहा है। इससे बचना होगा। भारत ने हम सब एक है और धरा भी एक है की ओर बल देते हुए मिशन लाइफ जैसी अवधारणा विश्व के समक्ष प्रस्तुत की है और हरित ऊर्जा की ओर जनसमुदाय को प्रेरित किया जा रहा है। भारत स्वच्छ ऊर्जा की ओर तेजी से बढ रहा है। रसायनयुक्त खेती को प्रोत्साहित कर रहा है। भारत में आज 89 रामसर साइट मौजूद है, जिनकी संख्या प्रत्येक वर्ष बढ रही है। स्वच्छ ऊर्जा, कम उपभोग तथा प्रकृति के अनुकूल जीवनशैली धरती को बचाने के प्रयासों में अहम भूमिका निभा सकती है। इसको व्यक्तिगत और परिवार के रूप में सभी को अपनाना चाहिए। आपने युवा छात्राओं को आव्हान किया कि हम सब मिलकर धरती के बढते तापक्रम को कम करने का प्रयास करें और विश्व पृथ्वी दिवस 2025 की थीम हमारी शक्तिहमाराग्रह कोसार्थक्ता प्रदान करें। कार्यक्रम का संचालन श्री कपिल जैन ने किया एवं सभी के प्रति आभार सुश्री नौरीन कुरैशी ने माना। कार्यक्रम में 80 छात्राओं द्वारा सहभागिता की गई।

रविवार को चिकित्सक देंगे व्याख्यान

मंदसौर, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन आईएमए मंदसौर द्वारा आयोजित बहुप्रतीक्षित सीएमई कॉन्फ्रेंस दशपुरकॉन 25 का आयोजन 27 अप्रैल, रविवार को मंदसौर में किया जाएगा। यह भव्य आयोजन कुशाभाऊठाकरे ऑडिटोरियम में सम्पन्न होगा जो प्रात: 8 बजे से शुरू होगा। इस कॉन्फ्रेंस में बनारस, गुडगांव, पुणे, मणिपाल, जयपुर, अहमदाबाद, दिल्ली, उदयपुर, भोपाल, कोटा सहित देशभर से ख्यातिप्राप्त विशेषज्ञ डॉक्टर विभिन्न चिकित्सकीय विषयों पर व्याख्यान देंगे। कार्यक्रम में उज्जैन, नागदा, धार, रतलाम, जावरा, नीमच, मनासा, चित्तौडगढ, प्रतापगढ आदि शहरों से लगभग 300 डॉक्टर भाग लेंगे।

जिले केसभी विद्यालयों में पृथ्वी दिवस मनाया

मंदसौर, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जिला परियोजना समन्वयकजिला शिक्षा केन्द्रद्वारा बताया गया कि जिले की सभी शासकीय विद्यालयों में राज्य शिक्षा केन्द्र के निर्देशानुसार भारत सरकार के मिशन लाइफ पृथ्वी दिवस की गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें जिले के सभी स्कूलों में आयोजन किया गया। भारत सरकार स्कूल शिक्षा मंत्रालय द्वारा इनोक्लब फॉर मिशन लाईफ कार्यक्रम है। विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया गया व विद्यालयों में पृथ्वी दिवस मनाया गया। जिससे छात्रों के व्यवहार में पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाना सभी विद्यालयों का पोर्टल पर पंजीयन किया गया।

डेक्सटर ग्लोबल स्कूल ने ओवरऑल चैम्पियनशीप में दूसरा स्थान प्राप्त किया

मंदसौर, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। स्व. अमर सिंह शेखावत स्मृति प्रथम अंतर-विद्यालय प्रतियोगिता 2025, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मंदसौर तथा विद्या भारती द्वारा संयुक्त रूप से मंदसौर के विभिन्न खेल मैदानों पर आयोजित की गई। जिसमें पीजी कॉलेज ग्राउंड पर बास्केटबॉल, नूतन ग्राउंड पर फुटबॉल तथा सरस्वती स्कूल परिसर में खो-खो और एथलेटिक्स प्रतियोगिता आयोजित हुई।

इन प्रतियोगिताओं में जिले के 15 स्कूलों ने सहभागिता की जिसमें डेक्सटर ग्लोबल स्कूल के खिलाडियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए उत्कृष्टप्रदर्शन किया व ओवरऑल चैम्पियनशीप में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। डेक्स्टर ग्लोबल स्कूल ने खो-खो (बालिका वर्ग) में स्वर्ण पदक, खो-खो (बालक वर्ग) में कांस्य पदक, बास्केटबॉल (बालिका वर्ग) में स्वर्णपदक, एथलेटिक्स में 3 स्वर्णपदक, 1 रजत पदक, 3 कांस्य पदक प्राप्त किये। इसके अतिरिक्त, डेक्सटर ग्लोबल स्कूल को छात्रों के अनुशासन, व्यवहार और संगठनात्मक उत्कृष्टता को मान्यता देते हुए अनुशासित स्कूल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। स्कूल केखिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर विद्यालय के निर्देशक श्री विशाल गोयल एवं श्रीमती मुक्ता गोयल, प्राचार्य श्रीमती निलीमा चौधरी, खेल शिक्षक श्री ओमप्रकाश गुर्जर, श्री दीपक विश्वकर्मा, श्री दीपांशु ग्वाला सहित समस्त शिक्षकगण एवं प्रबंधक मंडल ने हार्दिक बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सेन समाज सामुहिक विवाह सम्मेलन 25 को नीमच में

भाटखेड़ी, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जिला सेन समाज तहसील नीमच के तत्वावधान नीमच जिले का 30वां सामुहिक विवाह सम्मेलन सेन समाज के आराध्य देव सेन जी महाराज के 725 वै जन्मोत्सव के शुभ अवसर 25 अप्रैल 2025 शुक्रवार को संत शिरोमणि सेनजी महाराज वाटिका36बी मे आयोजित किया जाएगा। जिसमें वरिष्ठसमाजसेवी हरिप्रसाद गेहलोद, जिला अध्यक्ष दीपक गेहलोद मनासा, युवाध्यक्ष सोनु सेन कनावटी, सामुहिक विवाह अध्यक्ष विनोद गेहलोत ने बताया कि समाज द्वारा व सामुहिक विवाह समिति द्वारा सम्मेलन कीतैयारियां पूर्ण की जा चुकी है जिसमें वयस्क जोडों को सम्मिलित किया गया विवाह सम्मेलन में 12 जोडे परिणय सूत्र बंधेगे। जिला संरक्षक बाबुलाल वनभैरव, मांगीलाल राठोर, समन्वय समिति अध्यक्ष कैलाश राठोर, जिला सचिव भरत सिसौदिया भादवामाता समिति अध्यक्ष कर्णकुमार टांक, नारायणी माता समिति अध्यक्ष नरेंद्र चांगल ,सेन वाटिका अध्यक्ष रमनकुमार गेहलोद ,नीमच तहसील अध्यक्ष राधेश्याम गेहलोद, युवाध्यक्ष भगवतीलाल सेन, भरत गेहलोद जयसिंहपुरा, प्रकाश सेन बोरदियाकला ,सेन जंयती अध्यक्ष मनीष सैन, जीरन तहसील अध्यक्ष अनुप परमार, युवाध्यक्ष देवेन्द्र मंगल टांक आदि समाजजन नै विवाह सम्मेलन को सफल बनाने व पुनित कार्य में तन मन धन से सहयोग प्रदान करें। उक्त जानकारी नीमच जिला युवा प्रवक्ता उमेश सेन भाटखेडी व जिला युवा उपाध्यक्ष राजेश सेन पालसोडा ने दी।

जल संरक्षण हेतु साफ सफाई का कार्य किया

मंदसौर, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जल एक सीमित और बहुमूल्य संसाधन है जो पृथ्वी पर सभी जीवन को बनाए रखता है। बढती वैश्विक आबादी और मौसम के पैटर्न पर जलवायु परिवर्तन के चल रहे प्रभाव के साथ, पानी की कमी एक बढती हुई चिंता बन गई है। इस चुनौती के जवाब में, जल संरक्षण भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीति के रूप में उभरा है। जल गंगा संवर्धन अभियान एक महत्वपूर्ण पहल है जिसका उद्देश्य नदी, तालाब, पुरानी बावडी सार्वजनिक कुआ की स्वच्छता और संरक्षण को बढावा देना है। ईसी कडी में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग म.प्र. शासन ने सामुदायिक भागीदारी को बढावा देना और लोगों को जल संसाधनों के संरक्षण में शामिल करने का लक्ष्य रखा है। नवांकुर संस्था ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति ग्राम बामणी द्वारा सामुदायिक भागीदारी को बढावा देना और लोगों को जल संसाधनों के संरक्षण में जागरुक करना प्रमुख लक्ष्य है। जल गंगा सवर्धन अभियान 30 जुन तक चलाया जायेगा।

पूरे देश में यूथ कांग्रेस एक नए विजन लिए जोश, खरोश के साथ काम करेगी-सांखला

जिला कांग्रेस कार्यालय पर यूथ कांग्रेस नेशनल कोऑर्डिनेटर लक्ष्मण सांखला ने प्रेस वार्ता में कहा

मंदसौर, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जिला मुख्यालय स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय पर यूथ कांग्रेस के नेशनल कोऑर्डिनेटर लक्ष्मण सांखला आए जिन्होंने प्रेस वार्ता में यूथ कांग्रेस में आगामी दिनों में होने वाली चुनाव प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया।

श्री सांखला ने बताया कि पार्टी के हमारे नेता श्री राहुल गांधी की मंशा अनुसार अंतिम पंक्ति में खडे व्यक्ति को मुख्य धारा में कैसे लाया जाए इसी को लेकर संगठन में चुनाव कराए जा रहे हैं। इस चुनाव में 18 से 35 वर्ष की आयु का व्यक्ति भाग ले सकता है। किसी दूसरी पार्टी से आया हुआ व्यक्ति व क्रिमिनल केस यदि है तो वह व्यक्ति इस चुनाव में भाग नहीं ले सकता है। एक प्रश्न के जवाब में श्री सांखला ने कहा कि कांग्रेस की हर विंग व प्रकोष्ठ में बदलाव होने जा रहा है जिसमें यूथ कांग्रेस में भी एक चुनाव प्रक्रिया के तहत बदलाव होगा और हमारे सामने एक नई ऊर्जा के साथ नई युवा टिम सामने आएगी। कोई भी युवा यूथ कांग्रेस का ऐप डाउनलोड कर यूथ कांग्रेस की मेंबरशिप लेने के बाद इस चुनाव प्रक्रिया में भाग ले सकता है। तारीख 27 अप्रैल 2025 से 6 मई 2025 के बीच में कर ब्लॉक, जिला व प्रदेश के विभिन्न पदों के लिए एक राशि ऑनलाइन जमा करने के बाद नॉमिनेशन सकता है। यह सारी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी और चुनाव भी ऑनलाइन प्रक्रिया के तहत ही होंगे। प्रेस वार्ता से पहले श्री लक्ष्मण सांखला का जिला कांग्रेस कार्यालय पर फूल माला पहना कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस प्रवक्ता राजनारायण लाड, पूर्व एनएसयूआई जिला अध्यक्ष सुनील बसेर, दुर्गेश पटेल, नवीन शर्मा ,सम्यक जैन, राघव सिंह शक्तावत, आदर्श जोशी, यश श्रीवास्तव, हरीश पाटीदार, अशफाक मंसूरी, कपिल सुरावत, राकेश सेन, दुर्गा शंकर धाकड, योगेंद्र गौड, अक्षय सेठिया, भाविक संचेती आदि इस अवसर पर उपस्थित थे।

विद्यार्थियों ने दिया जल संरक्षण का संदेश

मंदसौर, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश शासन द्वारा चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान अब जन जन का अभियान बनते जा रहा है। जहा एक और नदी तालाब पोखरण सहित जल की महत्ता को लेकर अनेकों श्रमदान और जागरूकता कार्यक्रम जिले कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग के कुशल मार्गदर्शन में किए जा रहे है। वही कलेक्टर के निर्देश पर जन अभियान परिषद द्वारा ग्रामीण अंचलो सहित शहर में भी अनेकों जल संगोष्ठी जल शुद्धिकरण हेतु श्रमदान जैसे कार्य किए जा रहे है।उसी श्रंखला में ग्राम प्रेमपुरियामें विद्यार्थियों द्वारा रैली निकाली गई।विद्यार्थियों ने रैली निकालकर लोगों जागरूक किया। जल की महत्ता बताने में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा अभिनव प्रयास किए गया।

जनसुनवाई के दौरान 52 मामलों में सुनवाई की

मंदसौर, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल द्वारा सुशासन भवन सभाकक्ष में 52 आवेदकों की समस्याएं सुनी। अधिकारियों को जल्दी निराकरण करने के निर्देश दिए। आवेदक रवी निवासी माल्याखेरखडा द्वारा आवासहीन भुमी के पट्टेके लिये आवेदन किया गया। जिस पर अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल ने तहसीलदार को जल्दी निराकरण करने के निर्देश दिए। आवेदक दिपक सोनी निवासी दशपुर कुंज द्वारा अभीलेखागार से नकल प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया। जिस पर अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल ने नकल शाखा/अभीलेखागार को जल्दी निराकरण करने के निर्देश दिए। आवेदक शंकरलाल निवासी आक्याउमाहेडा द्वारा भुमी पट्टेमे नाम सुधार हेतु आवेदन दिया गया। जिस पर अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल ने तहसीलदार को जल्दी निराकरण करने के निर्देश दिए। सिंदपन निवासी राजेन्द्र कुमार द्वारा गेहुँ उपार्जन की राशी प्राप्त करने के लिए आवेदन दिया गया। जिस पर अपर कलेक्टर ने डीएसओ को आवेदन की जांच कर राशि भुगतान करने के निर्देश दिए। बादल निवासी धामनिया द्वारा संबल कार्ड की सहायता राशी प्राप्त करने के लिए आवेदन दिया गया। जिस पर अपर कलेक्टर ने जनपद पंचायत सीईओ को आवेदन की जांच कर राशि भुगतान करने के निर्देश दिए। ज्योति निवासी डिगॉवखुर्द द्वारा जमीन पर कब्जा दिलाए जाने हेतु आवेदन दिया गया। जिस पर अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल ने तहसीलदार को जल्दी निराकरण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही जनसुनवाई के दौरान गौचर एवं मंदिर की भूमि पर कब्जा हटाने, पीएम किसान सम्मान निधि, वेतन नहीं मिलने, मकान का रिकार्ड मौके अनुसार दर्ज नहीं होने, खाद्यान पर्ची, आर्थिक सहायता एवं नामांतरण आदि तरह तरह के आवेदन आए।

सती माता स्थापना कार्यक्रम सम्पन्न

पिपलियामंडी, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। शिव मंदिर के पास पांच दिनी धार्मिक आयोजन के साथ सती माता की मूर्ति स्थापना सम्पन्न हुई। गुरुवार को टीलाखेडा बालाजी मंदिर से शिव मंदिर तक कलश यात्रा निकाली। रविवार टीलाखेडा बालाजी मंदिर से कार्यक्रम स्थल तक शोभयात्रा निकाली। सोमवार को महाआरती के बाद महाप्रसादी का आयोजन हुआ। पं नरेन्द्र शर्मा उज्जैन के आचार्यत्व में सती माता की मूर्ति की स्थापना हुई। दीपक गोस्वामी ने बताया कार्यक्रम में बडी संख्या में धर्मप्रेमियों ने भाग लिया।

सामाजिक समरसता के प्रतीक बाबा साहेब आंबेडकर...

मंदसौर, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। बहुआयामी व्यक्तित्व तथा कृतित्व के धनी, स्वतंत्रता, समता एवम बंधुत्व के पोषक और प्रखर मानवतावादी बाबा साहेब डा भीमराव अंबेडकर जी के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हे जितने पहले थे। वे सही मायने में आधुनिक भारत के राष्ट्र निर्माताओं में से एक हे। वे सच्चे देशभक्त थे। उन्होंने देश को कमजोर बनाने वाली समस्याओ को समझा और उसको दूर करने का जीवन भर प्रयास किया। समाज में व्याप्त जाति व्यवस्था को वे प्रजातंत्र के लिए घातक मानते थे। उनका मानना था की अस्पृश्यता को समाप्त किए बिना राष्ट्र की प्रगति नही हो सकती हे। भारतीय समाज के साथ साथ सम्पूर्ण विश्व में जन्हा कन्ही भी विश्मतावादी भेदभाव या छुआछूत हे ऐसे समस्त समाज को दमन, शोषण तथा अन्याय से मुक्त करने के लिए बाबा साहब का दृष्टिकोण एक उज्ज्वल पथ प्रशस्त करता हे। एक मिशन के रूप उनके प्रत्येक कार्य का अंतिम उद्देश्य सामाजिक लोकतंत्र की स्थापना था जिसके अंतर्गत समरसता, समानता और बंधुत्व के लक्ष्य को प्राप्त करना रहा। हिंदू समाज में जो कुरुतिया व्यापत हो गई थी बाबा साहेब उन्हें भावनात्मक मानते थे इसलिए वह जातिभेद और अछूतपन को समाप्त करने के लिये समाज के सभी वर्गों सें इन भावनात्मक जडों पर वार करने का आग्रह करते थे। उन्होंने अपने आप को अनेकों बार हिंदू समाज सुधारक कहा और जीवनपर्यंत इस दिशा में कार्य करते भी रहे। किंतु आज जिस प्रकार से उन्हे एक दायरे में बांधने का प्रयास हो रहा है उससे अनेक प्रश्न खडे हो रहे हे। क्या उन्हे सत्तागत स्वार्थो के लिए सीमित कर दिया है ? क्या हम अनुसूचित जातियों के उद्धारक के रूप में मूर्ति बनाकर उनकी पूजा करने में ही उनकी सार्थकता का अनुभव करते रहेंगे या उनके विचारों को आज या कल में भी देखने की आवश्यकता है ? इन प्रश्नों के उत्तर खोजते समय हमे पूरी तरह तटस्थ रहना होगा। हम उनकी ऐतिहासिक भूमिका को स्वीकारते तो हे परन्तु उनके विचारो को पुस्तकीय मान लेते हे जबकि आवश्यकता हे की उनके विचारो को वर्तमान संदर्भ में समायानुकुल बनाकर उन्हें आत्मसात किया जाए तभी बाबा साहेब जैसे महापुरुष के चिंतन का लाभ समाज को प्राप्त हो सकेगा। बाबा साहेब के आख्यानों को पडे उनके उदबोधने को चिंतन में उतारे, उनके दिखाए मार्ग को समझे तो सपष्ट दिखेगा की वो भारत हित को सर्वोपरि रखते थे। उनके लिए राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक विषयो पर विचार करते हुए मानक केवल और केवल राष्ट्रहित होता था। यह सही हे की वह समाज के वंचित वर्ग के उत्थान के लिए सदेव चिंतित रहे और उस दिशा में स्थितियों को सुधारने का हर संभव प्रयास करते रहे किंतु हिंसा और भेदभाव के जरिए समाज को बांटने की पैरवी उन्होंने कभी नही की इसलिए आज के वातावरण में आवश्यकता इस बात की हे कि बाबा साहेब के मूल मंत्र को उसके सही अर्थों मैं संमझा जाए। हम समरस और संगठित समाज के निर्माण में सहभागी बने। समाज के सभी वंचित बंधुओ को पर्याप्त सहायता और संबल देकर आगे ले जाए। समरस राष्ट्र ही समर्थ राष्ट्र बन सकता है। अनेकता में एकता और एकता में समरसता ही हमारे राष्ट्र की विशेषता है। इसी विशेषता को हमे अक्षुण्ण रखना हे। इसी में राष्ट्र का हित है।

गौरव सोनी, मंदसौर

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की कार्यवाही, तीन संस्थानों से लिये सेम्पल

मंदसौर, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जिला कलेक्टर के निदेशानुसार खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा मंदसौर नगर के तीन संस्थाओं का औचक निरीक्षण किया गया एवं सेम्पल जब्त किये गये।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी बी एस जामोद ने बताया कि गुणवत्ता स्तर की जांच वास्ते कलेक्टर के निर्देश पर दिनांक 22 अप्रैल 2025 मंगलवार को मंदसौर नगर के श्री नानक दूध डेयरी, शुक्ला चौक से घी, गुरूकृपा रेस्टोरेन्ट रेवास देवडा से गेहूं का आटे के नमुने लिये गये। जो जांच वास्ते राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजे गये। जांच रिपोर्ट आने पर आगामी कार्यवाही की जायेंगी। सभी संचालकों को उचित साफ - सफाई के साथ व्यवसाय करने के निर्देश दिये गये। गर्मी को ध्यान में रखते हुए मिल्क उत्पादों का उचित डीप फ्रीज में रख कर व्यवसाय करने के निर्देश दिये गये है। कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

कान्हा की छाछ संजीत रोड से छाछ और

जिला जैल नीमच में नशा मुक्ति शिविर सम्पन्न

नीमच, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जारी वार्षिक कार्य योजना वर्ष 2025-26 के अनुपालन में 22 से 26 अप्रैल 2025 तक विशेष नशा मुक्ति अभियान आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नीमच श्री वीरेंद्र सिंह राजपूत के मार्गदर्शन में जिला जेल नीमच में विशेष नशा मुक्ति शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में बंदियों को संबोधित करते हुए जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्रीमती रश्मि मिश्रा ने नशे से होने वाले दुष्परिणामों पर विस्तार से प्रकाश डाला एवं लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के अंतर्गत प्रदत्त नि:शुल्क एवं सक्षम विधिक सहायता की जानकारी दी।

सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय मंदसौर में आरंगम कार्यक्रम संपन्न

मंदसौर, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। सरस्वती विहार शैक्षणिक संस्थान संजीत मार्ग मंदसौर के सम्राट यशोधर्मन सभागृह में विद्या भारती मध्य क्षेत्र के सह मंत्री श्री प्रकाश चन्द्र जी धनगर के मुख्य आतिथ्य एवं श्रीमती वर्तिका पारीक की अध्यक्षता में सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय के छात्र अध्यापकों का सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं सम्मान समारोह संपन्न हुआ।इस अवसर पर भारतीय आदर्श शिक्षण समिति के सचिव श्री अशोक पारीख, सरस्वती विहार के प्रबंधक श्री सुनील शर्मा, मंदसौर विभाग समन्वयक श्री राघवेन्द्र देराश्री, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ योगिता सौमानी, आवासीय विद्यालय के प्राचार्य श्री महेश वसा, सरस्वती विद्या मंदिर सीबीएसई के प्रधानाचार्य श्री प्रवीण मिश्रा, छात्रावास अधीक्षक श्री कमल किशोर गोठी एवं बडी संख्या में छात्र अध्यापकों की उपस्थिति रही।सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारंभ उपस्थित अथितिगण द्वारा दीपप्रज्वलित व सरस्वती वंदना कर किया गया। अतिथियों का स्वागत श्री संजय डागर व श्रीमती प्रेरणा सक्सेना ने किया व अतिथि परिचय डॉ. कृतिका माथुर द्वारा किया गया। महाविद्यालय प्रतिवेदन प्राचार्या डॉ. योगिता सोमानी दीदी ने दिया। अंत में आभार श्रीमती निशा शर्मा ने माना।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	24	2160	2241
उडद	9	4700	5690
सोयाबीन	4234	3930	4490
गैहु	13500	2421	2790
चना	866	5500	5800
मसुर	259	5683	6211
धनिया	88	5700	6922
लहसुन	20000	4500	8500
मैथी	1518	4000	5721
मुंगफली	1333	4405	5500
अलसी	2261	6770	7450
सरसो	390	5453	5900
तारामीरा	0000	0000	0000
इसबगोल	214	9596	12901
प्याज	3231	200	958
कलोंजी	24	16000	19582
तुलसी बीज	0000	0000	0000
डॉलर	150	5680	8589
तिल्ली	18	8600	9001
जौ	0000	0000	0000
मटरसुखी	19	2600	4500
असालीया	91	6842	7311
चियाबीज	80	10400	12653

दादीजी का जीवन हर व्यक्ति के लिए प्रेरणादायी-सिसोदिया

राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी को मंदसौर में अर्पित किए श्रृद्धासुमन

मंदसौर, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की मुख्य प्रशासिका एवं युवा प्रभाग की राष्ठीय अध्यक्ष राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी को मंदसौर सेवा केन्द्र आत्म कल्याण भवन पर बीके भाई-बहनों समेत गणमान्यजनों से श्रृद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर मंदसौर के पूर्व विधायक एवं भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता यशपालसिंह सिसोदिया, जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष मदनलाल राठौर, कांग्रेस नेता सोमिल नाहटा, बीके श्यामा, बीके हेमा विशेष रूप से उपस्थित थे।

दादी रतनमोहिनी को श्रृद्धा सुमन अर्पित करते हुए पूर्व विधायक एवं भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता यशपालसिंह सिसोदिया ने कहा कि दादी रतनमोहिनी का जीवन हर व्यक्ति के लिए प्रेरणादायी है। शतायू होने के बाद भी वे लगातार मानवता के लिए समर्पित रहीं। उन्होंने पूरे विश्व को शांति का संदेश दिया, उनका

सेवा, संयम की अनूठी मिसाल रहा है। लगातार 70 हजार किलोमीटर की पदयात्रा कर उन्होंने जोडने का काम किया। जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष मदनलाल राठौर ने कहा कि दादी ने अपने जीवन काल में हजारों लोगों के जीवन को दिशा दिखाई है, राजयोग के माध्यम से उनके जीवन को खुशहाल बनाया है। अध्यात्मिक जाग्रति के लिए दादीजी द्वारा किए गऐ कार्य सदैव अनुकरणीय रहेंगे। कांग्रेस के युवा नेता सोमिल नाहटा ने कहा कि ब्रह्माकुमारी में शांति की अनुभूति होती है। राजयोगी दादी जानकी ने जिस तरह से इस पूरे संस्थान को दिशा दी है वह काबिले तारीफ है।

बीके श्यामा दीदी ने दादी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 1925 में जन्मी दादी 12 वर्ष की उम्र से ही संस्थान से जुड गई थी। अपनी सक्रियता के चलते संस्था के विकास में दादी का विशेष योगदान रहा। बीके हेमा दीदी ने कहा कि दादी का जीवन ना केवल बीके भाई-बहनों के लिए बल्कि पूरे समाज के लिए अनुकरणीय है। अध्यात्म और मानवता की सेवा के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन समर्पित किया। पत्रकार लोकेश पालीवाल ने कहा कि दादी मानव के रूप में फरिशता थी, शतायु होने के बाद भी वे निरन्तर सक्रिय रहीं, आप आध्यात्मिक उर्जा से भरपूर थीं. आप सदैव प्रकाश, ज्ञान और करुणा के रूप में याद की जाएंगी। आपकी जीवन यात्रा सादगी और सेवा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता में निहित रही. आपकी विनम्रता, धैर्य, विचारों की स्पष्टता हर व्यक्ति के लिए प्रेरणादायी है। श्रृद्धांजलि सभा में शिक्षाविद रमेशचन्द्र चन्द्रे, वैश्यम महासम्मेलन के अध्यक्ष जगदीशचन्द्र चौधरी, शिक्षाविद प्रदीप भाटी, गायत्री परिवार के सत्येन्द्रसिंह सोम, समाजसेवी राजाराम तंवर, अजिजुल्लाखान ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

पिकअप से मिला साढ़े तीन क्विंटल डोडाचूरा, एक आरोपी गिरफ्तार, दो की तलाश

नीमच, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जिले के जीरन थाना पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान में अच्छी कार्यवाही की है। पुलिस ने राजस्थान से आ रही एक पिकअप से 03 क्विंटल 40 किलो अवैध डोडाचूरा जब्त किया है। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। जबकि, दो आरोपी फरार हैं।

मुखबीर से मिली सूचना पर पुलिस ने सोमवार को राजस्थान से आ रही पिकअप को रोका। तलाशी में वाहन से 340 किलो डोडाचूरा बरामद हुआ। पुलिस ने वाहन चालक रिछपाल विश्नोई को गिरफ्तार किया। वह राजस्थान के नागौर जिले के चावण्डिया गांव का रहने वाला है। पूछताछ में पता चला कि एक अल्टो कार पिकअप की पायलटिंग कर रही थी। इस मामले में राहुल मीणा और सत्यनारायण जाट फरार हैं। दोनों हरवार के रहने वाले हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। पुलिस ने आरोपी रिछपाल के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15, 29 के तहत प्रकरण दर्ज किया है। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

मंडी को नहीं मिला जमीन पर कब्जा

सुवासरा, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। नगर के बहुचर्चित कृषि उपज मंडी की जमीन अभी सवालों के घेरे में है। कृषि उपज मंडी को आवंटित भूमि सर्वे नंबर 972/5(0.450 हेक्टर), सर्वे क्रमांक 972/ 6(0.870) हैक्टर ,सर्वे नंबर 981/1(0.857) हेक्टर, कुल 2.0 177 हैक्टर का सीमांकन राजस्व विभाग द्वारा किया जाना है। 3 साल पहले कृषि उपज मंडी को शासन ने लगभग 11 बीघा जमीन की रजिस्ट्री करवाई थी। लेकिन राजस्व विभाग की लेटलतीफी और उदासीनता के कारण कृषि उपज मंडी को अभी तक इस जमीन का कब्जा नहीं मिल पाया है। तीन बार सीमांकन सर्वे तहसीलदार और एसडीएम की मौजूदगी में होने के बाद भी कृषि उपज मंडी के हाथ खाली है। सीमांकन करने के लिए राजस्व विभाग की जो टीम गठित हुई थी। वो केवल उच्च अधिकारियों की नजर में आने के लिए फ़ोटो सेशन तक सीमित रही। तीन साल बीतने के बाद भी कृषि उपज मंडी को राजस्व विभाग उनका हक नही दिला पा रहा है। जांच दल गठित होने के बाद ये रसूखदार के संपर्क में आ जाता है। जिससे कि कार्यवाही में लिपापोती हो जाती है। पिछले महीने 24 मार्च को वापस कृषि उपज मंडी सचिव ने मंडी की जमीन के लिए कलेक्टर को पत्र लिखा था। जिसमें मांग की गई थी कृषि उपज मंडी की जमीन का पुन: सीमांकन कर कब्जा शीघ्र दिलाया जाए। कलेक्टर ने भी एसडीएम सीतामऊ को कार्रवाई के लिए 2 अप्रैल को पत्र लिखा। लेकिन अभी तक एसडीएम को इस मामले का कोई पत्र नही मिला। करोड़ों रुपए की शासकीय मंडी की जमीन पर नगर के कुछ रसूखदार अपनी गिद्ध नजर लगाए बैठे हैं। और राजस्व विभाग के कुछ कर्मचारियों की इन रसूखदारो के साथ-सांठ गांठ के कारण मंडी को जमीन नहीं मिल पा रही है। जिला प्रशासन को चाहिए कि वह तहसील से बाहर के राजस्व अधिकारियों की टीम बनाकर सीमांकन करवाये। ताकि मंडी को उनकी वास्तविक जमीन का कब्जा मिले। तत्कालीन प्रभारी तहसीलदार कविता कडेला के द्वारा किए गए सीमांकन के बाद यहां निर्मित एक पक्के मकान निर्माण को तोडा गया था इसके बाद समय बीतने के बाद वापस से वह रसूखदारों ने अपना पक्का मकान निर्माण कर लिया।

इनका कहना –मुझे अभी इस मामले का उच्च अधिकारियों से कोई पत्र नहीं मिला है जैसे ही कोई आदेश आएगा शीघ्र पालन किया जाएगा।

शिवानी गर्ग, एसडीएम सीतामऊ

प्रबुद्धजन कार्यशाला, डॉ.आंबेडकर सम्मान एवं वक्फ बोर्ड संगोष्ठी को लेकर भाजपा की जिला बैठक सम्पन्न

मंदसौर, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर जिला भाजपा कार्यालय मंदसौर पर भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित ने बाबा साहेब अंबेडकर जयंती एवं वक्फ बोर्ड संगोष्ठी को लेकर आवश्यक बैठक ली। बैठक में मंच पर भाजपा जिला महामंत्री विजय अठवाल, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मुकेश काला, अजा मोर्चा जिलाध्यक्ष अशोक सूर्यवंशी, वक्फ बिल संशोधन अभियान संगोष्ठी के जिला प्रभारी हिम्मत डांगी, जिला वक्फ कमेटी अध्यक्ष अमजद पठान, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ प्रदेश सह संयोजक प्रितेश चावला, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला महामंत्री अजीजुल्लाह खान उपस्थित थे। बैठक के पूर्व डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी, पं.दीनदयाल उपाध्याय जी एवं डॉ.अंबेडकर जी के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात मंचस्थ अतिथियों का स्वागत मोर्चा पदाधिकारियों द्वारा किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित ने कहा की देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉ.भीमराव अंबेडकर जी की जन्म जयंती अंतर्गत भाजपा सम्पूर्ण जिले में जिला पदाधिकारी एवं मंडल अध्यक्ष गणों, मोर्चा अध्यक्ष गण के सहयोग से विभिन्न प्रकार के सामाजिक एवं रचनात्मक कार्य कर रही है। इसी क्रम में 25 अप्रैल को भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के नेतृत्व में जिला मुख्यालय मंदसौर स्थित कुशाभाऊ ठाकरे ऑडिटोरियम पर प्रात: 11:30 बजे अनुसूचित जाति एवं जनजाति बंधुओं की सहभागिता से विशाल प्रबुद्धजन कार्यशाला का आयोजन कर रही है। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में आलोट क्षेत्र के विधायक एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष चिंतामणि मालवीय एवं महापौर उज्जैन मुकेश टेटवाल उपस्थित होगें। मेरा आप सभी उपस्थित पदाधिकारी गणों से आग्रह है की इस कार्यशाला को सफल करने हेतु सभी मंडलो में निवासरत हमारे अजा और अजजा मोर्चा के पदाधिकारी सक्रियता से जुट जायें। मंडल अध्यक्ष जनों से समन्वय बेठा कर अधिक से अधिक संख्या में प्रबुद्धजनों को इस कार्यशाला में उपस्थित होने का आग्रह करें। साथ ही 27 अप्रैल को हमें जिले के सभी 21 मंडलों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की मन की बात कार्यक्रम को श्रवण करना है। तत् पश्चात सभी मंडलो में डॉ.अंबेडकर सम्मान एंव वक्फ बोर्ड को लेकर संगोष्ठी आयोजित करने को लेकर तैयारियां प्रारंभ करें। भाजपा जिला महामंत्री एवं डॉ.अंबेडकर सम्मान अभियान के जिला प्रभारी विजय अठवाल ने बताया की 25 अप्रैल को मंदसौर स्थित कुशाभाऊ ठाकरे ऑडिटोरियम में प्रात: 11:30 बजे आयोजित कार्यशाला में अजा. वर्ग के प्रबुद्धजनों का सम्मान भी किया जायेगा और साथ ही अजा.वर्ग के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया जायेगा। में हमारे भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित जी को आश्वस्त करता हूँ की हम हमारे सभी जिला पदाधिकारी गण, मंडल अध्यक्ष गण, मोर्चा जिलाध्यक्ष गण, के सहयोग से उक्त कार्यशाला को ऐतिहासिक रूप से सम्पन्न करेगें। वक्फ बोर्ड बिल संशोधन अभियान निमित्त संगोष्ठी के जिला प्रभारी हिम्मत डांगी ने कहा की देश में रह रहे करोड़ो गरीब मुस्लिम परिवार की वर्षो पुरानी मांग पर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने वक्फ बिल में आवश्यक संशोधन कर बिल को देश के सर्वोच्य सदन लोकसभा और राज्यसभा में पास करवाकर करोड़ो मुस्लिम परिवारों का दिल जीता है। बैठक का संचालन भाजपा जिला महामंत्री विजय अठवाल ने किया एवं आभार अजा. मोर्चा जिलाध्यक्ष अशोक सूर्यवंशी ने माना। बैठक में जिला पदाधिकारीगण राजेश नामदेव, संजय मुरडिया, राजेश पालीवाल, राजेश सेठिया, शिवराजसिंह राणा, नरेन्द्र पाटीदार, अजय तिवारी, अजा.मोर्चा पदाधिकारीगण महेश जुनवाल, रामरतन आटेला, के सरीमल जटिया, अल्पसंख्यक मोर्चा पदाधिकारीगण आबिद मच्छीवाला, शाकीर गढवी, शाहनवाज शेख, शहजाद पटेल, जगदीश परमार, अर्जुन सोनी, भाजपा मंडल अध्यक्षगण उमेश पाटीदार, नीलकमल मेहता, सीताराम चारण, महेन्द्र पहाडिया, गोकुलसिंह चौहान, भेरूलाल सेन, गोपाल पाटीदार, जितेन्द्र बामनिया, विनोद डगवार, अरविंद सारस्वत, दिलीपसिंह तरनोद, आदित्य मंगरोलिया, आशीष विजयगर्गीय, राजेश धाकड, जुझारसिंह गुर्जर, विकास सुराना सहित अपेक्षित श्रेणी के पदाधिकारीगण एंव कार्यकर्तागण उपस्थित थे।

नगराज भेरूजी मेला...

मेले में उमड़ा जनसैलाब, जमकर की खरीददारी

नगरी, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। पांच दिनी नगराज भेरूजी मेले में दुसरे दिन रात्रि में बडी संख्या में लोग पहुंचे। बच्चों एवं युवाओं ने जहाँ जमकर झूले चकरियों एवं खाने पीने की स्टाल पर व्यंजनों का आनंद लिया। वही महिला वर्ग ने मनीहारी , आर्टिफिशियल ज्वेलरी एवं घरों में उपयोग होने वाली सामग्री की खरीदी की।

मेले के सांस्कृतिक मंच पर मालवीय नाटक में दूसरे दिन उज्जैन के राजा भरतरी कथा का मंचन कलाकारों ने किया देर रात तक मार्च का मंचन देखने के लिए लोगों की उपस्थिति रही इसके पूर्व दूसरे दिन अतिथि के रूप में नप अध्यक्ष संगीता बग्गड,वरिष्ठ नागरिक बद्रीलाल अटोलिया, सेवानिवृत शिक्षक देवीलाल सिसोदिया, महावीर व्यायाम शाला उस्ताद मुकेश अटोलिया, बुथ अध्यक्ष भोला वीर, भागीरथ अटोलिया, पत्रकार राजकुमार जैन, भरत जडवासा उपस्थित रहें। अतिथियों द्वारा नगराज भेरूजी की पूजा अर्चना के बाद मॉच कारण मंचन प्रारंभ हुओं मेला सभापति अंजू बग्गड,नप लेखापाल बद्रीलाल प्रजापत, पार्षद राजेश जैन, मुकेश अटोलिया आदि ने अतिथियों का स्वागत कियोकार्यक्रम का संचालन दिनेश रांगोठा ने एवं आभार मेला अधिकारी भूषण ताम्रकर ने माना।

आज कविसम्मेलन, कल गोकुल शर्मा की भजन निशा - मेले में आज बुधवार रात्रि को कविसम्मेलन का आयोजन होगा। कविसम्मेलन में कवि संदीप जैन, विजय विद्रोही, हरिश हंगामा, गोपाल धुरंधर, कानू पंडित, त्रियांशी पाटीदार, रजनीश शर्मा अपनी कविता पाठ करेंगे। वही मेले के अंतिम दिवस को रात्रि में ख्यात भजन गायक गोकुल शर्मा की भजन संध्या होगी। भजन संध्या में नगर के साथ ही आसपास के अंचलों से बडी संख्या में नागरिकों की संभावित उपस्थिति को लेकर मंगलवार को नप कर्मचारियों ने सांस्कृतिक मंच के लिए अतिरिक्त जगह की तैयारी करनी प्रारंभ कर दी।

सोने ने छुआ एक लाख का टारगेट, रिकार्ड बना

मंदसौर, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। अक्षय तृतीया से पहले देशभर के साथ-साथ मध्य प्रदेश में सोने-चांदी की कीमतों में मंगलवार को जबरदस्त उछाल दर्ज किया गया है। खुले सोने के भाव में रिकॉर्ड लगभग 3 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम की बढ़ोतरी हुई है। वहीं, चांदी की कीमतें भी 1 लाख रूपए पार कर गई हैं। रविवार को अवकाश के बाद सोमवार को बाजार खुलते ही सोना 96 हजार को पार कर गया। यह सोने का उच्चतम भाव था। सोमवार को शाम तक भाव 97 हजार 700 रुपए पहुंच गए। इसके बाद मंगलवार को सोने के भाव एक लाख रुपए तक पहुंच गए। मतलब आज सत्ताईस सौ रुपए की सोने में बढोतरी हुई। मंगलवार को 22 कैरेट सोने के दाम 93 हजार 50 रूपए, 24 कैरेट का भाव 01 लाख 01 हजार 500 रूपए और 18 कैरेट सोने का रेट 76 हजार 140 रुपए पर ट्रेंड कर रहे है। वहीं 01 किलो चांदी का रेट 01 लाख 1000 रुपए हो गए हैं।

इस साल अर्थात 01 जनवरी से अब तक 112 दिन में 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76 हजार 162 रुपए से 23 हजार 838 रुपए बढ़कर 01 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव 86 हजार 17 रुपए प्रति किलो से 9 हजार 883 रुपए बढ़कर 95 हजार 900 रुपए पर पहुंच गया है।

साल के अंत तक 1.10 लाख तक जा सकता है सोना...

अमेरिकी-चीन के बीच बढ़ते ट्रेड वॉर और मंदी की आशंकाओं के कारण इस साल सोना 3 हजार 700 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है। इंटरनेशनल रेट के हिसाब से कैलकुलेट करें तो भारत में 10 ग्राम सोने के दाम 1.10 लाख रुपए तक जा सकते हैं। विदेशी इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन सैक्स ने ये अनुमान जारी किया है।

आजादी के समय 88.62 रुपए पर था सोना...

1947 में जब देश आजाद हुआ था, तब सोना 88.62 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था जो अब 1 लाख पर है। यानी तब से लेकर अब तक सोना 1127 गुना महंगा हो चुका है। 1947 में चांदी का भाव करीब 107 रुपए किलो था और अब ये 95 हजार 900 रुपए पर है।

मामला नरवाई जलाने पर हुई कार्रवाई का...

दिन में पटवारी निलंबित, शाम को बहाल

नीमच, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जिले में नरवाई जलाने के मामले में दिन में पटवार को निलंबित किया गया। इसके बाद दबाव बना तो शाम को बहाल कर दिया गया। घटना 20 अप्रैल की है। नीमच के ग्राम रेवली-देवली में किसान ने गेहूं की नरवाई जलाई। पटवारी रविंद्र सिंह ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा बनाया। इसी आधार पर किसान सूरजमल ब्राह्मण के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई।

प्रशासन का आरोप था कि पटवारी ने नरवाई जलाने की सूचना समय पर नहीं दी। यह उनके कर्तव्य का उल्लंघन है। एसडीएम संजीव साहू ने पटवारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। उनकी जगह रजनीश यादव को प्रभार सौंपा गया। पटवारी संघ का कहना था कि निलंबन का निर्णय जल्दबाजी में लिया गया। रविंद्र सिंह ने अपने कर्तव्यों का पालन किया था। संघ ने तहसील कार्यालय में बैठक की। एसडीएम को कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा। इसके बाद शाम को पटवारी को बहाल किया गया। एसडीएम संजय साहू ने बताया कि पटवारी से सूचना नहीं मिली थी। तहसीलदार को सूचना मिली तो वे मौके पर गए थे। तहसीलदार ने पटवारी को बुलाया था। पटवारी ने भी अपना पक्ष दिया है। उसे बहाल कर तहसील कार्यालय अटैच करने का आदेश जारी किया गया है। नीमच कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने मार्च से ही नरवाई जलाने पर प्रतिबंध लगा रखा है। जिले में अब तक 40 प्रकरण दर्ज हुए हैं। करीब 1.42 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। कलेक्टर के आदेश पर ऐसे मामलों में राजस्व कर्मियों की भी जवाबदेही तय की जा रही है।

विशेष नशा मुक्ति अभियान अंतर्गत शिविर का आयोजन संपन्न

मंदसौर, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर की वार्षिक कार्य योजना वर्ष 2025-26 के अनुपालन में एवं माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंदसौर श्री कपिल मेहता के मार्गदशन और न्यायाधीश/सचिव श्री सुधीर सिंह निगवाल के निर्देशन में नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत दिनांक 22/04/2025 को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाईट) मंदसौर में नशा पीड़ितों के लिये कानूनी सेवाएं और नशा उन्मूलन के लिये कानूनी सेवाएं योजना 2015 विषय पर शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में जिला विधिक सहायता अधिकारी सुश्री अपर्णा लोधी ने डाईट के छात्राध्यापकों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय की सबसे ज्वलंत समस्या नशा है। इसी नशे के कारण परिवार बर्बाद हो रहे है और युवावर्ग भटक रहा है। सफल एवं सुरक्षित जीवन के लिये यह परम आवश्यक है कि युवा वर्ग नशे से दूर रहे। सुश्री लोधी ने आगे बताया कि अन्य नशों के साथ-साथ मोबाईल का नशा भी युवा वर्ग के लिये घातक है। आपने छात्राध्यापकों से आग्रह किया कि अपने आसपास के क्षेत्र में भी जो लोग नशा कर रहे है उन्हे मित्रवत सलाह देते हुए नशा छुडवाने का प्रयास करे। डाईट के प्राचार्य श्री दिलीपसिंह राठौर ने स्वागत भाशण दिया एवं कहा कि इस प्रकार के आयोजन निश्चित रूप से युवाओं में प्रेरणा का कार्य करेंगे। शिविर को डाईट के व्याख्याता रामदयाल जोशी ने संबोधित करते हुए नशे को वर्तमान समय की सबसे बडी चुनौती बताया। असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल सुश्री डॉली मक्कड ने अपने उद्बोधन में नशे के कारण होने वाले दुश्प्रभावों पर प्रकाश डाला। जिला विधिक सहायता अधिकारी सुश्री अपर्णा लोधी ने छात्राध्यापकों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई, पैरालीगल वालेंटियर श्रीमती सीमा नागर ने नशा मुक्ति शिविर का महत्व बताया। कार्यक्रम का सफल संचालन श्री सुनील कुमार बडोदिया लीगल एड डिफेंस काउंसल ने किया। उपरोक्त कार्यक्रम में डाईट के छात्राध्यापक एवं व्याख्यातागण रामेश्वर डांगी एवं अन्य उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश में 1 से 30 मई तक होंगे तबादले

मुख्यमंत्री ने दिए नीति तैयार करने के निर्देश, अगली कैबिनेट बैठक में प्रस्तुत होगी

भोपाल, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में भोपाल में हुई कैबिनेट बैठक में कई निर्णय लिए गए। बैठक में तबादला नीति पर बड़ा फैसला हुआ। तय हुआ है कि प्रदेश में 1 से 30 मई तक तबादले होंगे। मुख्यमंत्री ने नीति तैयार करने के लिए निर्देश जारी कर दिए हैं। अगली कैबिनेट बैठक में तबादला नीति 2025 प्रस्तुत की जाएगी।

कैबिनेट के अन्य अहम फैसले- मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कन्यादान एवं निकाह योजना में संशोधन किया गया है। अब न्यूनतम 11 और अधिकतम 200 जोड़ों के ही विवाह होंगे। सामूहिक विवाह कार्यक्रमों में होने वाली व्यवस्था को देखते हुए योजना में संशोधन का फैसला लिया गया है। 49 हजार रुपये सहायता राशि सरकार देती है और 6000 रुपए आयोजन खर्च के रूप में संबंधित संस्था को दिए जाते हैं।

मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह सहायता योजना के आवेदन प्रक्रिया हुई ऑनलाइन- मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह सहायता योजना के आवेदन प्रक्रिया को ऑनलाइन कर आसान बना दिया गया है। कल्याणी महिला (विधवा महिला) सामाजिक न्याय दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के विवाह पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकती है। प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण सशक्तिकरण ने बताया कि प्रदेश में निवासरत कल्याणी बहनों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के उद्देश्य से वर्ष 2018 से मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह सहायता योजना संचालित की जा रही है।

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना में आवेदन कर खुद का उद्योग कर सकते हैं स्थापित- प्रदेश के शिक्षित युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिये मध्यप्रदेश शासन सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग द्वारा मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना प्रारंभ की गई है। योजनान्तर्गत युवाओं को स्वयं का उद्योग सेवा/व्यवसाय उद्यम स्थापित करने हेतु बैंकों के माध्यम से कम ब्याज दर पर कोलेटरल फ्री लोन उपलब्ध कराया जाएगा। योजनान्तर्गत उद्योग क्षेत्र की इकाइयों स्थापित किये जाने हेतु परियोजना लागत राशि 50 हजार से 50 लाख रुपये तक की परियोजना प्रस्तुत की जा सकती है। इसी प्रकार सेवा क्षेत्र/खुदरा व्यवसाय क्षेत्र की इकाइयों स्थापित किये जाने हेतु परियोजना लागत राशि 50 हजार से 25 लाख रुपये लाख तक की परियोजना प्रस्तुत की जा सकती है।

जल सुरक्षा से संबंधित कार्यक्रम सम्पन्न

मंदसौर, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश शासन के निर्देश अनुसार जल गंगा जल संवर्धन अभियान के अंतर्गत, महारानी लक्ष्मीबाई शा.क. उ.मा. विद्यालय के प्राचार्य श्री के.सी. सोलंकी के मार्गदर्शन में एवं कार्यक्रम प्रभारी श्रीमती रेणुका आचार्य के निर्देशन में प्रथम चरण विद्यालय में आयोजित हुआ। जिसमें जल संरक्षण विषय पर निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ जिसमें छात्राओं ने उत्साह के साथ सहभागिता की। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम हिमांशी लोहार ,द्वितीय शिवानी विजय सुरावत ,और तृतीय सुमित्रा चौहान रही। इस अवसर पर प्राचार्य श्री के सी सोलंकी ने शुद्ध जल का महत्व बताते हुए छात्राओं को अपने घर की पानी की टंकी को स्वच्छ रखने और स्वच्छ जल का महत्व बताया । इस अवसर पर सुश्री आरती शर्मा, श्रीमती दीपश्री राठौर, श्रीमती शशिकला मेमोरिया, श्रीमती किरण परमार, श्रीमती जया सोनी, रेखा बामनिया सुश्री चित्रलेखा ठाकरे ,श्री रमेश सोनी ,श्री कुंदन सांखला ,श्री हामिद खान ज़ैदी आदि ने सहयोग प्रदान किया।

अघोषित कटौती से आमजन परेशान, बिजली कम्पनी का तानाशाही रवैया-कुमावत

मंदसौर, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। अघोषित विद्युत कटौती के नाम पर आमजनों को विद्युत वितरण कम्पनी द्वारा रोज परेशान किया जा रहा है। मेंटनेंस के नाम पर अलग - अलग क्षेत्रों में प्रात: 8 बजे से 12 बजे तक विद्युत कटौती की जा रही है। इसके अलावा भी रोज विद्युत कटौती की जा रही है जो कि अघोषित है। विद्युत वितरण कम्पनी के कार्यालय पर शिकायत करने के लिए आसानी से फोन नहीं लगता और लग भी जाता है तो वहां से कोई संतोष प्रद जवाब नहीं दिया जाता है।

उक्त बात कहते हुए जिला कांग्रेस कमेटी मंदसौर के उपाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमावत ने बताया कि विद्युत वितरण कम्पनी उपभोक्ताओं से मनमाने बील वसूल रही है। स्मार्ट मीटर लग जाने के बाद से तो विद्युत बीलों में दुगुना तक वृद्धि हो गई है। लेकिन सुविधाओं के नाम पर कम्पनी द्वारा कुछ भी नहीं दिया जा रहा। शहरी क्षेत्र के साथ - साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी अघोषित विद्युत कटौती प्रतिदिन की जा रही है। जिससे बच्चे और बुजुर्ग बेहद परेशान हो रहे है। मच्छरों ने भी आमजनों को परेशान कर रखा है और फिर बिजली भी बंद हो जाती है। श्री कुमावत ने कहा कि भाजपा के राज में आज हर वर्ग परेशान है। उसमें भी भीषण गर्मी के दौर में बिजली कटौती किया जाने से लोग और परेशान हो रहे है। आपने कहा कि कांग्रेस के कमलनाथ जी की सरकार के समय बेहद कम बिजली के बिल आ रहे थे वही बिजली कटौती भी नहीं की जा रही थी। लेकिन अब तो भाजपा के राज में बिजली के बड़े - बड़े बिल कम्पनी द्वारा दिये जा रहे है। उसमें कोई राहत तो उपभोक्ताओं को कम्पनी द्वारा नहीं दि जा रही इसके उलट अघोषित विद्युत कटौती करने से सब परेशान हो रहे है। विद्युत वितरण कम्पनी का यह तानाशाही रवैया ठीक नहीं है, जल्द इसमें सुधार किया जायें यदि इसमें सुधार नहीं किया गया और अघोषित विद्युत कटौती बंद नहीं की जाती हैं तो कांग्रेस द्वारा आमजनों के हित में उग्र आंदोलन किया जायेंगा।

आंगनवाड़ी केन्द्रों का समय परिवर्तन

मंदसौर, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग द्वारा भीषण गर्मी (ग्रीष्म ऋतु) को देखते हुए आंगनवाड़ी केन्द्रो पर आने वाले बच्चो के स्वास्थ्य एवं सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए ग्रीष्म काल का समय माह 22 अप्रैल से 30 जून 2025 तक प्रात: 8.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक किया गया है। परियोजना अधिकारी अपने अधीनस्थ अमले को निर्देशित करे कि आंगनवाडी संचालन समय मे परिवर्तन समय प्रात: 8.00 बजे से दोपहर 12 ए00 बजे तक का मात्र आंगनवाडी केन्द्र पर आने वाले बच्चो के लिये किया जाता है। आंगनवाडी कार्यकर्ता एवं सहायिका क लिये आंगनवाडी केन्द्र का संचालन समय दोपहर 3.00 बजे तक की रहेगा।

भादवा माता परिसर में 09 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में

द्वितीय सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन सम्पन्न

मनासा, 22 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मालवी-गुजराती प्रजापति समाज द्वारा सोमवार को महामाया भादवा माता परिसर में द्वितीय सामूहिक विवाह सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। इस पावन अवसर पर कुल 09 जोडे वैदिक विधि-विधान के साथ परिणय सूत्र में बंधे।सम्मेलन की शुरुआत भगवान शालिग्राम जी एवं तुलसी जी के प्रतीकात्मक विवाह से हुई, जिसे समाज में शुभता और परंपरा का प्रतीक माना जाता है। इसके पश्चात समाज के 08 अन्य जोडे मंच पर आए और सात फेरों के साथ एक-दूजे के हो गए।कार्यक्रम की अध्यक्षता दशरथ प्रजापति ने की। आयोजन के शुभारंभ में प्रात: 7 बजे गणपति स्थापना के साथ विधिवत पूजन सम्पन्न हुआ। विवाह सम्मेलन में नीमच, मनासा, मंदसौर, रतलाम, उज्जैन, गरोठ, प्रतापगढ़, भानपुरा सहित आसपास क्षेत्रों से बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।समारोह के दौरान सीता बहन जी गुडभेली, कवि दादु प्रजापति एवं अन्य वरिष्ठजनों ने सभी नवविवाहित जोडों को मंच से आशीर्वाद स्वरूप प्रमाण पत्र प्रदान किए। यह आयोजन न केवल विवाह संस्कार का प्रतीक बना, बल्कि समाज में एकता, सहयोग और सांस्कृतिक मूल्यों का सशक्त उदाहरण भी प्रस्तुत किया।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, संभाग मंदसौर (म.प्र.)

E-mail-eepwdmandsaur0@gmail.com Ph-07422-255211

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 03/2025-26/एसएसी/ मंदसौर दिनांक -21.04.2025

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यो हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेण्डर रिफरेन्स क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में
1	2	3	4	5	6	7
1	2025_PWDRB_414501	मंदसौर	Renewal	मंदसौर जिला अंतर्गत हवाई पट्टी मंदसौर डामरीकरण का नवीनीकरण कार्य।	First	रु.309.60
Total						रु.309.60

उपरोक्त वेबसाईट पर ऑनलाईन भुगतान करने के उपरांत निविदा प्रपत्र (mptenders.gov.in) वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगी। निविदा प्रपत्र क्रय करने एवं प्रस्तुत करने की अंतिम दिनांक 29.04.2025 सायं 17:30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एनआईटी एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट में देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर ही किया जाएगा। पृथक से समाचार-पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जाएगा।

(EMD only RTGS/NEFT)

G-11847/25 वैक्सीन दवा नहीं जिन्दगी है, कोविड से सबको ही बंदगी है। कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग संभाग, मंदसौर

NAME CHANGE

I SANGITA RATNAWAT W/O SUNIL RATNAWAT HERE BY DECLARE THAT I HAVE CHANGED MY NAME TO SANGEETA W/O SUNIL RATNAWAT HENCEFORTH, I SHALL BE KNOWN AS SANGEETA W/O SUNIL RATNAWAT FOR ALL FUTURE PURPOSES.

ADDRESS :- BURHANI MOHALLA1093 WARD NO 13 SUWASRA - 458888

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in